₹. 30/-

तुस कोंउ भीन्थ ©

By
Pangiteam
First edition: October 2013

COMPILING TEAM:-

Mrs. Babitha Kumari, Chowki.
Mr. Shubham Bhardwaj, Chowki
Mr. Binaya, Parmas.

EDITORIAL TEAM:-

Mr. Mahatam, Karel.
Mr. Hari Ram, Killar.
Mr. Dhanunjay, Killar
Mrs. Babitha Kumari, Chowki.
Mr. Shubham Bhardwaj, Chowki

This book *Tus kaun bhunthi* is copyrighted under creative commons. ©
This book can be reproduced for the contribution and development of the Pangwali language. No portion of this book may be reproduced in any form for commercial use, without written permission of the Compilers.

☞ FOR FURTHER SUGGESTIONS, CONTRIBUTIONS AND INVOLVEMENT IN DEVELOPMENT OF PANGWALI LANGUAGE, PLEASE CONTACT

Mahatam Mobile No. 9418431531
Hari Ram Mobile No. 9418429574
Binaya Mobile No. 9418721336
Devi singh Mobile No. 9418411199
Dhanunjay Mobile No.: 9418411599
Parmas village, Killar Post, Pangi, Chamba district. 176323.
Mail to: info@pangi.in

☞ Would you like to read this book in your computer? Or you want to share this book to your friends and relatives, who are out of valley? For an electronic copy (pdf downloadable file) please visit our website www.pangi.in or mail to info@pangi.in

प्रस्तावना

जानवर त मेह्णु अन्तर सुआ फरक असा। जानवर कदि सोच न सकते पर मेह्णु सोच सकता। से न कि सिर्फ अपु पुराणि बोक सोचता, पर भविष्य बारे बि सोचता। मेह्णु दिले दुनिआ अन्तर न कि सिर्फ मेह्णु बोक कते बल्कि जानवर, बुटे त घोड़, सोब बोक कइ सकते। तसे दिले दुनिआ अन्तर सोब कुछ भुई सकतु। असंभव कुछ बि नेई।

एस सोच पुठ बणो सी हें दोकी कहानी के किताब, "तुस कोंउ भीन्थ", जथ अन्तर पुरणी कथा, शिक्षा देंणे बाड़ी कथा, त हसणे बड़ी कथेइ असी। एअ कथेइ असी मठिड़यार अपु ददी, ददु केंआ शुणो असी। तिखैइ मनचाह असी तन्के बारे तती समझ ना ऐतीथ। आज फिर असी दुबारी अन्ही कथेइ पढ़णे मौका मेउ असा, से बी पंगवाड़ी अन्तर। अन्ही कथेइ पढ़ कइ मेहणु जिन्दगी अन्तर रस भरी घेन्ता। त मठ-मठ गभुर अन्ही कथेइ के मजा नेते, त एअ कथेइ बोड़े मेहणु के जिन्दगी अन्तर खास महत्व रखती। शिक्षा देंणे बड़ी कथेइ हें जिन्दगी अन्तर सुआ बदलाव अण छती, त समझणे बाड़े मेहणु सुआ कुछ समंझि घेन्ते। त अन्ही कथाइ बोलिए होरे मेहणु बी समझाणे कोशिश कते। शिक्षा देंणे बाड़ी कथेइ के बेलि समझदार मेहणु के जिन्दगी अन्तर खारा असर भुन्ता। अन्ही कथेइ के जरिए अस सुआ कुछ शिचते बी त शिचलते बी।

ए किताब कुछ इं कथाई जे बणो असी। हें उम्मीद असी की एन्ही कथाई के बोलि तुस मज्जा नेन्ते त कुछ शिचते बि।

कोई बि सुझाव देण जे दुतो पता पुठ अस जे चिठ लंघाए।

धन्यवाद

(इस किताबि अन्तर जे बि चरित्र त नाउं असे, से सोब काल्पनिक असे। अगर कोई कथा त नाउं केसे जुएई मीती त से बस् यक संयोग असा। तेसे असली जिन्देंगी जुएई कोई मेल नेई।)

विषय सूची

1. दुनिया ना बदलुण.....1
2. स्वर्ग त नरक.....3
3. साचे बुढ़ी जिआण – सोबि के बारी एन्ती।.....5
4. छिछड़ी केनुड़ कथा.....7
5. छेड़ी निशाण.....9
6. असली गरीब.....12
7. खराब आदत.....14
8. ईमानदार भुणे फल.....16
9. चालाक नैऊं।.....18
10. अपु गी बणाण.....20
11. तुस कोंउ भिन्थ?.....22
12. साहुकारे सत कुइ के कथा.....24
13. हुडानी.....29
14. सही प्यार.....31
15. घमण्ड.....33
16. सिगाली त गौड़े कथा.....35
17. चोउर जुएली कथा.....38
18. बोके ताकत.....42
19. मुर्खी जुए दोस्ती बर्बाद कती।.....44
20. साहुकारे त ढांमूसलु.....45
21. सोमशर्मा बोउ ए कथा.....48

22. **यक बिशण अन्तर ताकत असी**.....50

23. **लालच**.....51

24. **स्वार्थी मित्र**.....52

25. **मेहणु मेहणु कैंआ शिचते**.....54

1. दुनिया ना बदलुण

सुआ साल पेह्ले यक बड़ा सम्राट थिआ। तसे राज पुरी धरती पुठ चालताथ। त होरे राजा त प्रजा तस मानतेथ त इज्जत बि कतेथ। से राजा जीं निआंग देन्ताथ तीं भुओ लौतुथ। ना त से सुआ लेहर किढ़ताथ त दंण्ड देन्ताथ।

यक रोज से अपु राज्ये अन्तर घुमुण जे गो थिआ त अपु प्रजाए हाल पता किआ। पर हंट हंट कइ तसे खुरी सुआ चिड़ंग लगी। से रोज होर होर जगई हंट कइ घेन्ताथ त रात तसे खुरी सुआ चिड़ंग लगतीथ। ती कइ कुइ से पता अपु महल पुजा। महल अन्तर अब्बुल दालिचे टडो थिए त सोब कुछ ठीक ठाक थी।

कुछ रोजे पता, तेन सोचु की "ओ-हो, में राज्य अन्तर बथ बड़ी औखी असी। त अउं अपु राज्य अन्तर जेती बि बथ असी तेन्हि सोबि बथ पुठ गोउरू के छोड़ टडी छता। तउ कसेरी खुरी न लगती। तेन निआंग दी छड़ी त सोब

मन्त्री एसे बारे ब्योरा करुं लगे। “ओ यारा पुरे राज्य अन्तर सम्हाई बथ ढपुण जे कते जानवर मारूण एन्ते अब”। त से परेशाण भुएगे कि कीं कइ राजे निआंग मानते।

पता तेन्हि बुछ यक मन्त्री हिम्मत की त राजे केईं घेई कइ बोलु, “महाराज, जुग जुग जीए! महाराज, तुसी सम्हाई बथी पुठ छोड़ टडणे निआंग दी कइ खरी किओ असी। पर महाराज एती बथी पुठ छोड़ टडण जे सुआ गोउरू के छोड़ लौती। महाराज, तुस मोउं माफ कते त अउं यक बोक बोता। अस सम्हाई बथी पुठ छोड़ छाणे बझई किस ना असी अपु खुरी जे यक यक जोड़ा चमड़े बुटे बणाण। तसे बलि सुआ जानवर बि बच घेन्ते त खर्चा कम भुन्ता”। सम्राटे इः बोक पुठ धिक सोचु त बोलु, “तुसी खरु बोलो असु, तीं कते।” तपल केआं खड़ी मेहणु अपु खुरी जुए बूट लाण लगे।

सम्राट दुनिया बदलुण चहन्ताथ। पर भाई! दुनिया ना बदल, बल्कि अपफ बदल त दुनिया बि तोउ जे बदल घेन्ति।

2. स्वर्ग त नरक

मत्ते रोज पेह्ले यक खरी जिल्हाणु थी। तेनि अपु पुरी उमर खरे खरे काम किओ थीए। त मरणे पेहले तसे यक इच्छा पुरी करुण जे परमेश्वरे तेसे धे यक वर दिता। से जिल्हाणु मरुण केआं पेह्ले स्वर्ग त नरक हेरण चाहतिथ त परमेश्वर तेसे इच्छा पुरी करुण जे यक स्वर्ग दूत लंघा।

तेन जिल्हाणु झट यक बोडा कमरा निआ। तेठि यक मेज पुठ अब्बुल अब्बुल खाणे सुआ चीजे थी त तस मेजे चोउरो कनाह बड़े कमजोर त ढुके मेह्णु बिशो थिए। त तेन जिल्हाणु पुछु, “हे प्रभु, एन्हि मेह्णु की भो असु? एः एतु बिमार किस केण लगो असे? से इन्हि अब्बुल अब्बुल खाणे चीज किस ना खान्ते?” त परमेश्वरे दूते बोलु, “तेन्के हातेउ हेरिण दिए। तेन्के एड़ीखी जुए लोहे फटि बन्हो असी। से खाणे चीज टाई त सकते पर खाई ना सकते। इः सुण कइ तेस जिल्हाणु सचमुच लगतु की एः नरकुण्ड भो।

पता परमेश्वरे दूत तस यक होरे कमरे नेन्ता। तथ बि यक बोडा मेज पुठ सुआ अब्बुल अब्बुल खाणे चीज थी। त चोउरो कनाह तगड़े तगड़े मेह्णु थिए। तस जिल्हाणु मन इठि मनचा तेन्के हातेउ बन्हो नेई। पर जपल तेनि सुसुर हेरु त तेनि काउ की इन्के हतेउ जुए बि लोहे फटि बन्हो असी। पर इठि फरक इः असा की इठ मेह्णु अपफ खाण नेई लगो बल्कि यक होरि खिलाण लगो असे। त से बड़े खुश त अराम जुए बिशो असे।

ईः हेर कइ तस जिल्हाणु पता लगा की धरती पुठ नर्कुण्ड किस असा। किस कि इठि मेह्णु यक होरी खिलाण नेई लगो बल्कि सोब अपफ जे लुटुण लगो असे त अपफ जे बचाण लगो असे। से अपफ त खाई ना सकते, त केसे होरि बि ना खिलान्ते।

3. साचे बुढ़ी जिआण – सोबि के बारी एन्ती।

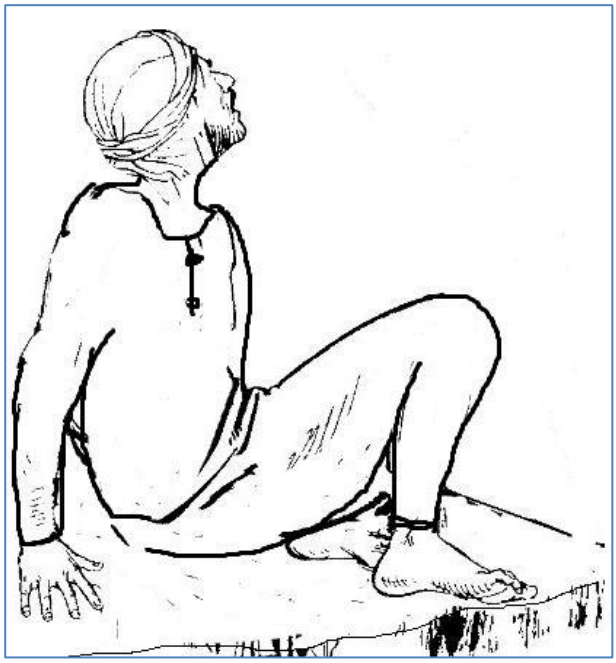

सुआ साल पेह्ले, बिटु नोउएं यक कुआ थिआ। अपु ई बोउ जुए से बड़े मज्जे जुए बिशताथ। तेन्के यक मठुड़ीं गी थी।

यक रोज तसे दॉदुजी तेन्हि जुए बिशुण जे आ। से सुआ स्याणा भोई गो थिआ। तसे नजर कमजोर भोई गो थी त तेस घट सुणतुथ। स्याणा भुणे बोलि तकें हतेउ बी सुआ ठरकतेथ। रौठि खाणे टेम। सुआ रौठि भीं झड़तीथ। तेन्के झिणे बि गन्दे भोई घेन्तिथ। त बिटु ई बोउ तेसे दॉदु धे कोठि अन्तर चौके भेड़ रौठि देण लगे। पड्डे ना कोई थोबि और ना कोई दुन्गसुड़ु।

यक रोज दॉदुजी एतो ठरका कि तेन्के हतेउ केआं चाये कॉप भीं झाड़ गोउ त टुट गा। ई हेर कई बिटु ईया ती लेहर अई गई। तेन बोलु, “ते मारण गई! में अब्बुल चाये कॉप टोड़ छा न। अब की करुं?” तसे बोउ बि नाराज भोई गा, तेन बोलु कि बुढ़ा जे

यक घोड़े कॉप आणता जे कि कदि ना टूटएल। तेस जमाणे लोहे त षटिले भाणे ना मेतिथ।

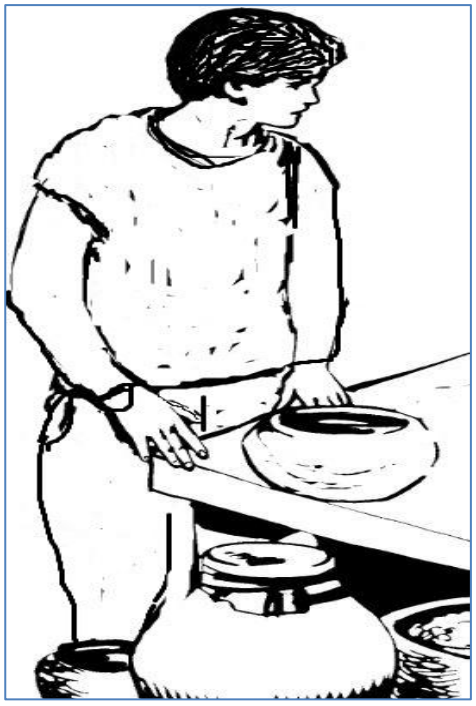

पता यक रोज बिटु बोउ जपल गी आ त तेन हेरु कि, बिटु बड़े ध्यान जुए अडु बई घोड़े कॉप बणां लगो सा। तसे बोउए पुछु, त से बोता, “अउं दुई घोड़े बाड़े कॉप बणा लगो असा। यक तुसी जे त होरा ईया जे। जपल तुस स्याणे भोई घेन्ते, तपल अउं बि तुसी दॉदु जगाई छंता। इस कॉप अन्तर चाय देन्ता, जे कि तुस ना टोड़ सकते।”

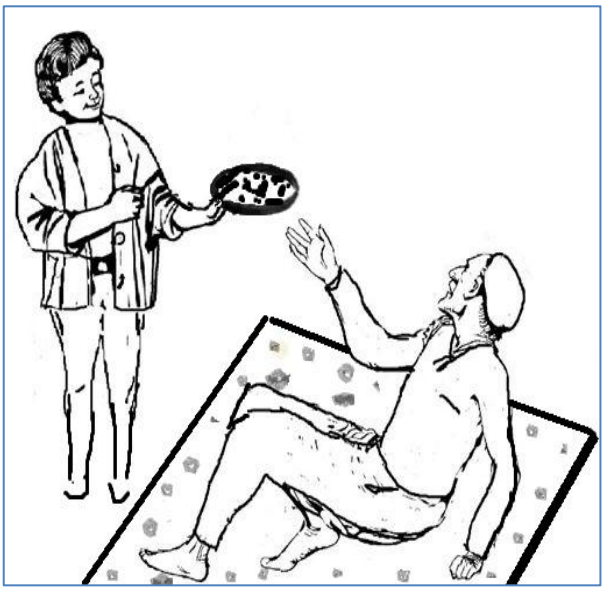

ई सुण कई, तसे बोउ चक्कर एई गा। तेनि अपु जुएलि जे बोक कि त पता तिएस ब्यादि तेन्हि दॉदु अब्बुइ गदा पुठ बिशाई कई यक हच्छि नये प्लेट अन्तर रौठि दिति। तसे ई, यक होरा अब्बुल चाये कॉप बि आण्ही छा।

4. छिछ़ड़ी केनुड़ कथा

लखु नोउए यक स्याणा मेहणु रोज ब्यादि दुई केनुड़ पुओण नेन्ताथ। दुई केनुड़ बुच्छ यक केनुड़ बोडु अब्बुल थिउ। तेस अन्तर पुरू पुओण गी पुजी घेन्तुथ। पर होरे केनुड़ छिछड़ी गोओ थिउ। से गी पुजते-पुजते आधु खालि घेन्तिथ। लखु हर रोज यक पुरा केनुड़ त यक आधु केनुड़ पुओण गी पुजान्ताथ।

इः भुन्ते-भुन्ते सुआ टाइम भोइ गा। से केनुड़ जे अब्बुल थी, रोभ किड़ताथ कि से हर रोज पुरू केनुड़ पुओण पुजाई सकती। पर होरु जे केनुड़ छुछुड़ु थी तस सुआ दुख भुन्ताथ। में छुछुड़ु भूणे बझाई जुए लखु रोज आदु पुओण नेन्ता। पता यक रोज तस ती दुख भुआ त तेनी लखु जे बोलु, "मोउं माफ करे में कमजोरी बझई जुए तुस रोज घट पुओण आणते।"

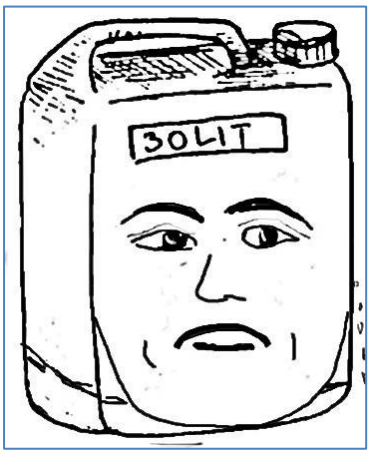

त लखू तस केआं पुछू "तोउ किस दुख भो असा?" से बोता "में पुठ छिछड़ी भोई गो असी त मेईं रोज अपु हिसाव जुए पुओण डील नेई बटो, अउं सिर्फ आधु ईं केनुड़ पुओण पुजाई सकती।" त लखू बोता "जपल अस गी जे धेन्ते तपल बत्ती भेड़ी बई फीयूड़ हेरिण दे।" जपल से गी जे वापीस आ, तपल तेनी

बत्ते किनार बाई अब्बुल अब्बुल फियूड़ हेरे। पर तस अपु कमजोरी बलिए ज्यादा दुख भुआ। इ: हेर कइ लखू तस जे बोलु "तेईं बत्ते किनार बई फियूड़ जरूर काओ भोल। से सिर्फ तस किनार बई थिए जेस किनार बई तु भुन्तीथ। जे पाणी तें बलि झड़तुथ तसे बलि सुआ फियूड़ बुटे लुंगो असे, त से बोडी कई

तेह्नी बुटी पुट अब्बुल-अब्बुल फियुड़ लगो असे। पर जेस किनार होरु केनुड़ भुन्तु, तस किनार घास बी नेई लुंगो। मोउं तें कमजोरी पता थिआ, त मेईं से कमजोरी यक खरे कम जुए बर्ताणी की। अगर तू छिछड़ी ना भुन्तीथ, आज ई अब्बुल-अब्बुल फियुड़ बथ किनार ना भुन्तेथ त थको मेहणु खुश न भुन्ताथ। इ सुण कइ छिछुड़ केनुड़ समझती कि "हें सोबि के बुछ कोइ न कोई कमजोरी असी। जे असी चलान्ता तस सोब पता असा कि हें कमजोरी बलि केसे भलाई भुन्ती त की फायदा भुन्ता।" अस सोब मेह्णु कमजोर असे त असी सिर्फ अपु कम कंरु लौतु ना कि केसे होरी जुए लढुं असु।

5. छेड़ी निशाण

यक ग्रां शामु, दामु त नामु टाई दोस्त थिए। से हमेशा यक साथ बिशतेथ त यके काम कतेथ। यक हियुत तेन्हि सोचु की काम करुं जे त कुछ नेई। इरुह् बिश बिश कइ बि थक गो असे, चले शिकार करुं जे घेन्ते। त से शिकार करुं जे धार गे। तेनि सुणो थिउ कि धार सुआ जंगली जानवर मेते। अगर कोई यक दुई हथ लगियेल त हियुते खर्चा निश घेन्ता।

से धार गे, तथ दुई रोज बिशे पर कुछ ना मेउ। पता तेन्हि ढुक बि लगुण लगि त शामु बोता, "तुस इठि बिशे, अउं आ।" त से कुड केआं बाहर घेई गा त कोई यक घंटा पता दुई चखुर घिन आ। से बोते, "ए कीं टाते?" त शामु बोता कुछ नेई अउं बस डंग बुछ छेड़ी के निशाण हेर कइ गा त एः मेईं गे। से बिचारे बड़े खुश भुए त से पक्काणि कइ खाए। धिक रोज पता, जपल तेन्हि दुबारी ढुक लगी त दामु बोता, "तुस बिशे बा अउं आ।" त से घेई कइ कोई दुई घंटे अन्तर यक उखुन टाई कइ पैठा। त होरि तेस केआं पुछु, "एः तोउ कोठि मेए?" त से बोता, "कुछ नेई, अउं बस् छेड़ी के निशाण हेर कइ गा त एः मेईं गोउ।" त से बड़े खुश भुई कइ तेन्हि से पक्काणु त खाउ।

तेन्के मन, अगर कोई कर्त मेआल त तसे शिकार कते। त

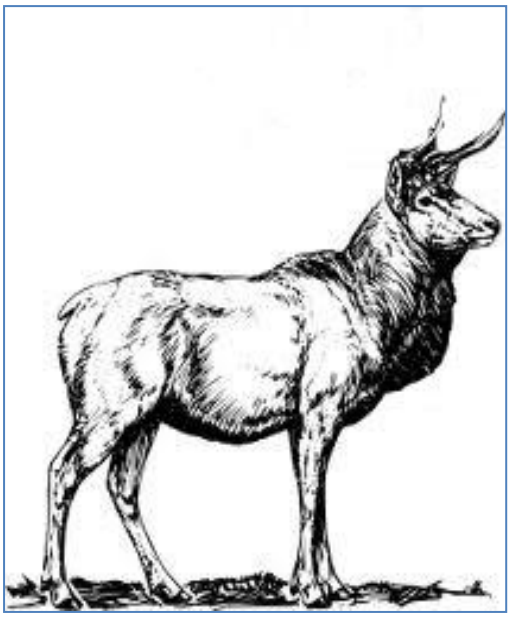

तेन्हि हउ कुछ रोज बिशणे की। पता तेन्हि ढुक लगुण लगी त तेन्हि बोलु "नामु अब तें बारी असी। गा त कुछ आण्हि दे। ना त अस इठि ढुके मरी घेन्ते।"

त नामु बाहर नाशा। किस की शामु त दामु दुहीए छेड़ी के निशाण पतुं घेई कइ कुछ टओ थिउ त से बि छेड़ी के निशाण तोपुण लगा। से खड़िया धार नठा त तसे मोटे मोटे छेड़ी के निशाण केण लगे। तथ मोटे मोटे घोड़ बुछ यक कुड ई थी। से तथ गा। तस बिचारे पता नेओथ कि एः केस जानवरी छेड़ी के निशाण भो। तथ अन्हारू थिउ त सुसुर केण नेओथ लगो । कुछ टेम पता तथ बड़ा अजीब त डराणी अवाज आई। त नामु मेउड़ कोई जोर जेई टाण लगा। पता नामु खिरका त तस यक मोटा उंछु मेआ। से सुआ ढुका थिआ त नामु खाण जे दौड़ा। नामु बिचार जीं तीं कइ अपुं दोस्ती केंईं पुजा। त से तेसे हाल हेर कइ पुछुण लगे, "तोउ की भु? इः किस दौड़ दुतो असी?" से बोता, "ओ यारा जीं तुसी बुलो थिउ

की छेड़ी के निशाण पतुं घेन्ते त जानवर मेते। मेईं बि सेईयें किउ त मोउं यक उंछ मेआ। तेनि मोउं टाणे किओ थी पर अउं तसे डेउ केआं खिसक गा। पर हेरे, में मेउड़ त जंघी! की लगो असी?" पता तेन्हि झट गी जे एणे की त तेसे इलाज करुं जे हस्ताड़ निआ।

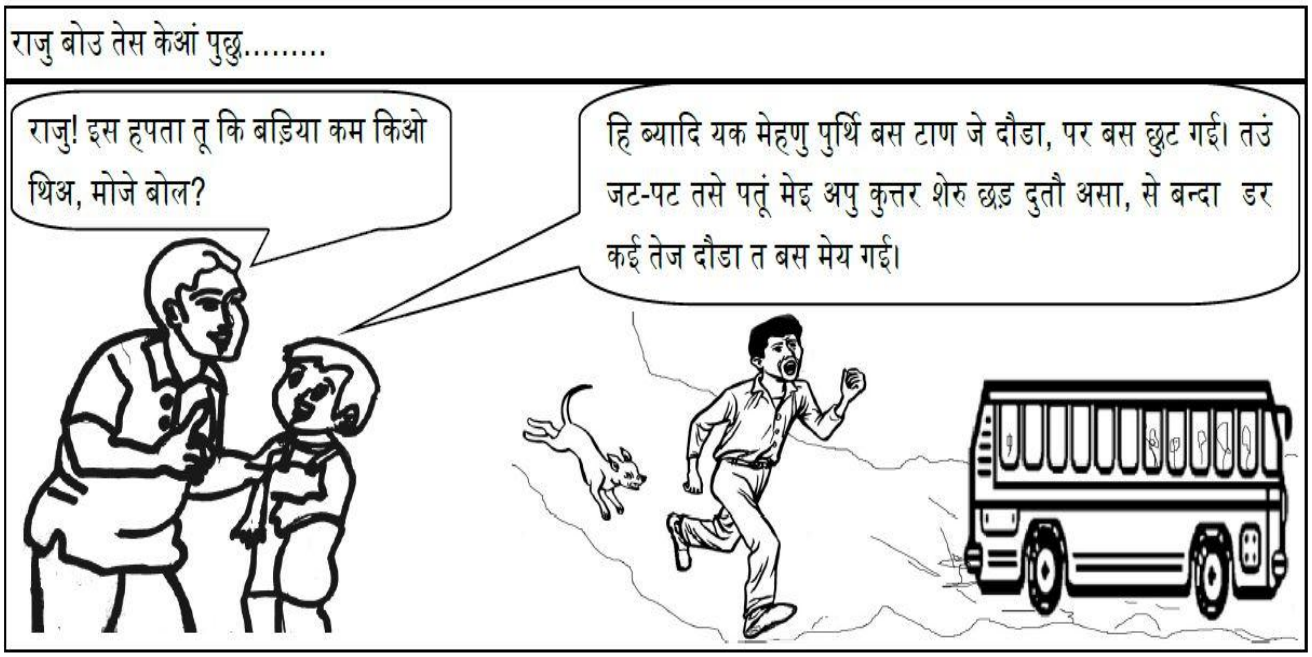

6. असली गरीब

मते रोज पेह्ले यक साहुकार थिआ। से मेह्णु के अगर सुआ रोभ लान्ताथ। बोताथ कि में ईं गी केसेरि नेई, में ईं अमीर होर कोई नेई। तसे यके कुआ थिआ जे दूर शहर पढ़ताथ त कदी-कबार छुटी बुछ गी एन्ताथ।

यक साल जपल से कुआ छुटी बुछ गी आ त साहुकार अपु कुआ गरीब मेह्णु कीं जीन्ते तस हरालण जे यक दूर ग्रां घिन गा। तथ से चोउर पंज रोज यक गरीब जिमदारे गी बिशे। पता जपल से अपु गी वापिस एण लगो थिए त साहुकारे अपु कुआ केआं पुछु, “तोउ इस फेरी छुटी कीं लगी?” त से कुआ बोता, “बाबा, इस फेरी ती मज्जा एई गा।” त बुढ़ा बोता, “गरीब मेह्णु कीं जीन्ते तेईं हेरु ना? त से बोता, “हाँ बाबा।” त बुढ़ा साहुकार बोता, “अच्छा, त तेईं की की हेरु?” से कुआ बोता, “ऊँ, मेईं हेरु की, असी केईं सिर्फ यक कुतर असा, पर तेन्के चोउर कुतर असे। असी केईं यक मठुड़ पुओण

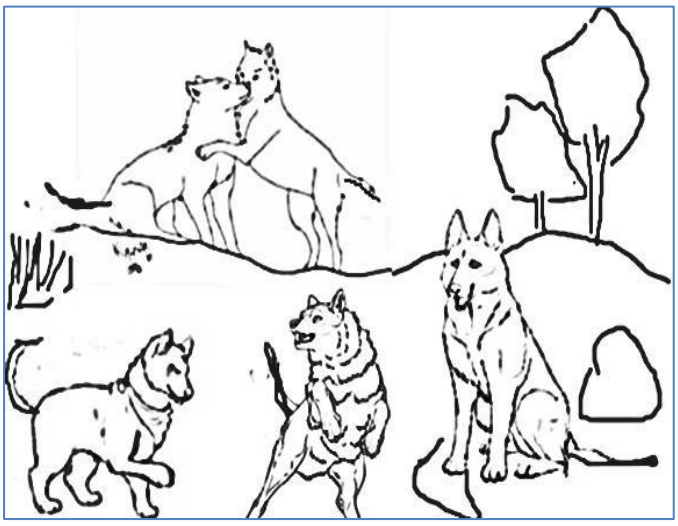

टैंक असा, पर तेन्हि केईं दरियोउ असा। असी केईं बिजली बाड़ी लाईट असी, पर तन्हि केईं जोसण त तारे असे। हें शहाड़ मठुड़ असु पर तेन्के त पुरा बग शहाड़ असा। काम करुंण जे असी नौखर रखो असे पर से होरी के सेवा कते। अस दुकान केआं चोउ त होरे खाणे चीज खरिदते, पर से अपु अनाज उगान्ते। हें रक्षा करुं जे हें गी चोउर किनाह बाड़ असे, पर तेन्के रक्षा तेन्के दोस्त कते।"

साहुकार बचारा इः सुण कइ चुप भोईं गा। त तसे कुआ बोता, "बाबा, असली गरीब कोउं असा, तस हरालण जे तुसी बहुत धन्यवाद।"

यक होरी के दाह् त काम करणे बोलि जे सुख त शान्ति मेती से रुपेई ना खरीद सकते। जेस मेह्णु केईं इः सोब असु सेइएं सचमुच अमीर असा।

7. खराब आदत

यक अमीर मेह्णु अपु कोये खराब आदत दूर कराण जे तेस यक स्याणा मेह्णु केईं घिन गा। से अपु बग कमुण लगो थिआ त तेन तेस मेह्णु जे बोलु "तुस घेई घिए। अउं एसे खराब आदते छुड़वान्ता।" पता तेन त तेनि कोये बग अन्तर हन्टण लगे।

तेन स्याणा मेह्णु तेस कुआ यक मठुड़ी रुई हराल कइ बोलु, "इस पूट छाड़।" त तेन कोये झट से पूट-पाट छड़ी। धिक पता तेन तस यक तछकिल हराल कई बोलु, "इस थुसिण दे।" त तेनि कोइये धिक जोर लाई कइ से भीं किढ़ छाई।

कुछ देर पता, तेन तेस कुआ यक चिरिह् बुटा हराल कई बोलु, "कोया, अभेईं इस पूटीण दे"। तेनि कोइये पेह्ले घेई कइ जोर ला त तस हिलाण लगा। पर कुछ कई ना बटु। पता से बक भोई कइ तस स्याणा मेह्णु केईं आ त बोलु "एः त नामुमकीन असु। कोउं इस पूट सकता?" त से स्याणा मेह्णु तस जे

बोता “तु ठीक बोता, अस पुटुण नामुमकीन असु। तें खराब आदत बि इरुह् असी। जपल से शुरु भुन्ति, तपल तेन्हि छाड़ देण सुकुत भुन्तु, पर जीं दिन बितते घेन्ते तीं-तीं से बधेती घेन्ती त जड़ एण लगती। पता से खराब आदत छुड़ाण मुशकिल ईं नेईं, नामुमकीन भोई घेन्ती।” तस कुआ इः बोक समझ एन्ति त से सोब खराब आदत तिखेईं केआं छड़ दी छता।

8. ईमानदार भुणे फल

यक गी अबु त शिखु दुई भाई भेण थिए। से अपु ई बोउ जे ती ट्यारे थिए। त तेन्के ईये त बोउ तेन्हि जे सुआ खिलोने त होरे होरे चीज आण्हतेथ। यक रोज तेन्के मामा गी आ त अबु जे गिटि त तसे भेणे धे चॉकलेट दिती।

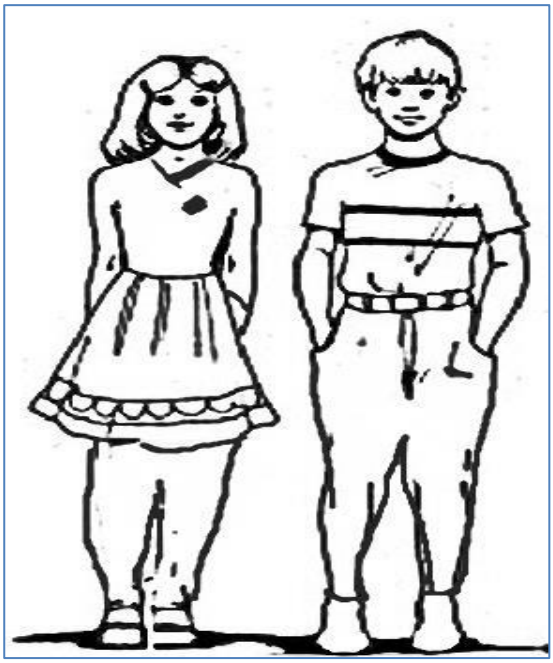

पता अबु अपु भेण शिखु जे बोलु, "शिखु, चल अस अटा-वटा कते। अउं तेन्धे सोब गिटि देन्ता त तु मेन्धे अपु सम्हाई चॉकलेट दे।" किस कि शिखु गिटि सुआ अब्बुल लगतिथ त से राजी भोई गई। त तेन अपु सम्हाई चॉकलेट अबु धे दिती। पर अबु गिटि देणे पेह्ले अपफ जे यक मोटी अब्बु इ गिटि नियोकाई रखी त बाकी शिखु धे दिती।

शिखु इसे बारे पता ईं नेओथ। से सम्हाई गिटि खेलण लगी।

पता ब्यादी, उघंणे टेम अबु अपु मामा जुए उंघणे की। पर से रात चेरे तकर उंघ ना बटा।

तसे मामे पुछु, “भाणेजा, तोउ की भो असु? उंघता किस नाउं?” से बोता, “ना मामा, अउं सिर्फ अपु भेणे बारे सोचुण लगो थिआ।” मामा बोता, “की सोचुण लगो असा?” अबु बोता, “मोउं पता नेई, शिखु मेन्धे अपु सम्हाई चॉकलेट दिती ना कि अपफ जे बि कुछ बचाई रखो असी?” तसे मामा बोता, “तेईं सम्हाई गिटि तसे धे नेई दुतो ना बल्कि अपफ जे बि कुछ रखो असी?” से बोता, “तुसी कीं पता लगा?” मामा बोता, “भाणेजा, सुण! अगर तु सोब गिटि देन्ताथ त तें मन अन्तर इः सोच ना एन्तीथ की में भेणि कुछ चॉकलेट नियोकाई रखो असी। पर किस कि तेईं एः काम किओ असा त तु सोचता की तें भेण बि तिहाणि कती। अगर तु सोउ प्रतिशत ईमानदार नेई त तोउ होरे बि बेईमान लगते हौर तें मन शान्ति जुए ना बिश्ता। किस कि ईमानदार भुणे फल शान्ति त सुख असा।”

पता अबु अपु भेणे धे होरी गिटि बी दिती ता से सुआ खुश भुई।

9. चालाक नैऊं।

यक लिंगी यक नैऊं थिउ। तेस नाओ चीकु थिउ। यक रोज से अपु जुएली जुओई यक बगींचे अन्तर घुमुं जे गो थिआ। चीकु बोता "इ हैं लकड़ दादु बग भो। सिगाली एस पुठ कब्जा कई छा।" तोउं तेसे जुएली यक बुटे पुठ मीठे-मीठे फल हिलते काए त

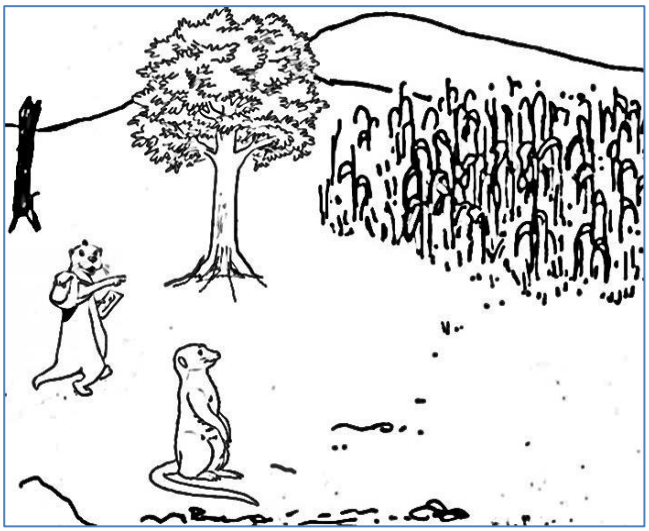

तसे मुंह अन्तर पोणी भोई गोउ। तेनि चीकु जे फल टाई कई अणु जे बोलु, तोउं चीकु बोता "ना, ए बग यक सिगाली भो जे सुआ खुंखार असी। अगर तेस पता लगा न कि फल असी टाई कइ खो असे त से असी मारि छन्ती। पर चीकु जुएली तेसे समझाणे बोली न मानी। हारि कई चीकु फल टोड़ुण जे घेण

अउ। चीकु फल टोड़ुण लगा त तिखेईं तठि सिगाली एई गई। चीकु फल घिन कइ दौड़ा त यक ड्रम अन्तर घेई गा। पता फल तेस अन्तर छड़ दी कइ चुपचाप बेहर एई कइ खेड़ी गा।

तिखेईं सिगाली तठी एई गई। तेन चीकु केआं पुछु, "तेईं इठिया यक नैऊं काउ ना फल नेन्तु। चीकु समझी गा कि सिगाली से नेईं पछाणों त तेन बोलु "अभेईं मेईं यक नैउं इस ड्रम अन्तर घेन्तु काओ थिउ। तेस केईं सुआ फल थिए। सिगाली ड्रमे भेड़ गई तेठि तेस फलि के मुशक आई त सिगाली नैऊं मारुंण जे ड्रम अन्तर घेई गई। चालाक चीकु झटपट ड्रमे ढकुण दी छउ। सिगाली ड्रम अन्तर मरी गई। चीकु त तसे जुएली फिर अपु लकड़ दादु बगींचा वापस नी छड़ा। चीकु अपु बुध्दि बइ अपु त अपु जुएली जान बचाई त तेस बगींचे मालिक बि बणी गा।

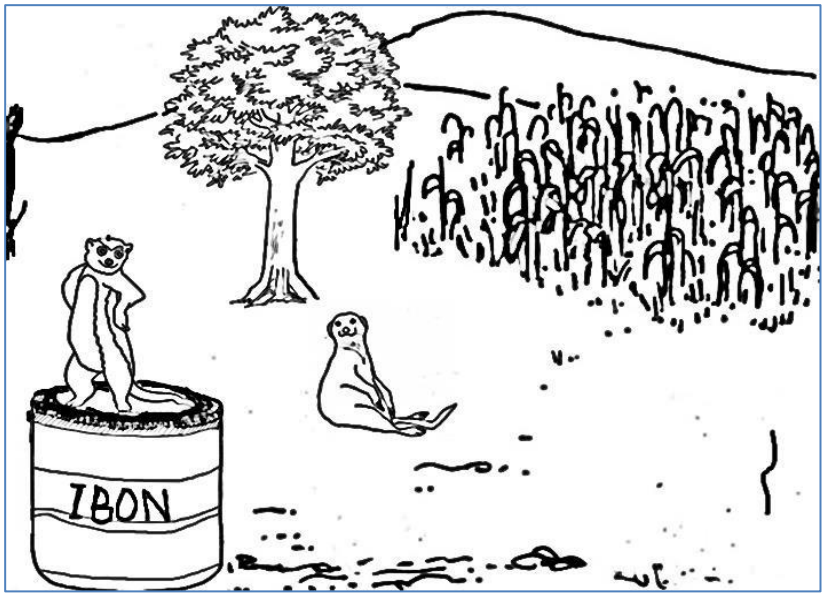

10. अपु गी बणाण

सुआ साल पेह्ले यक मोटा ईं अमीर साहुंकार थिआ। तेन साहुंकारे अपु कम पुठ बाड़ी बुचा यक जेईं जे बोलु "अउं तोउ यक दूर देश लंघान्ता। तु तठ घेई कइ मोउं जे यक अब्बुल ईं गी बणा। गी कीं बणाण त तस पुठ कि-कि लाण, से तें जिम्म असु। अउं से सोब खर्चा कता। पर याद रख कि अउं तेस गी अपु यक खास दोस्त जे बणा लगो असा। त सोब कुछ सुसुर सुसुर करिण दे।"

त से नौखर बड़ी खुशी जुए तेस देश घेन्ता। तठ गी बणाण जे सोब अब्बुल अब्बुल चीज मेतीथ पर तेस नौखरे अपु चाल थी। तेनि अपफ जे बोलु, "ओ यारा कि असु? अउं कुछ सस्ति चीजे बई एस गी बणान्ता त तेस पुठ अब्बुल रंग लान्ता तोउं एः गी बि अब्बुल केतु। मालिक त इठ नेई। मालिक कीं पता लगता कि मेईं कीं-कीं चीजे बलि गी बणो असु? सिर्फ मोउ पता भुन्ता इस बारे।" त तेनि बड़ा दिमाख दौड़ा त तेनि गी कमजोर चीजे बोलि बणाई छउ।

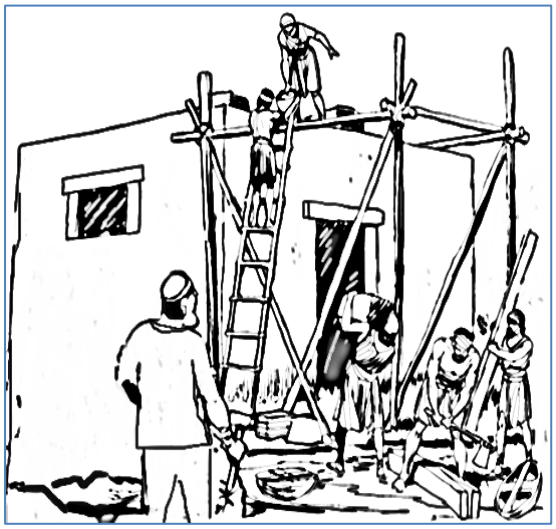

पता तेनि नौखरे अपु मालिक केईं घेई कइ बोलु, “मालिक, तुं गी बणि गो असु।” त से साहुंकार तस जे बोता, “शबाश, तोउ त पता भोल कि मेईं से गी अपु केसे खास दोस्त जे खरी खरी चीजे बलि बणाओ असु। अब तु घेई कइ तस गी बिश। किस कि तु में से खास दोस्त भो। से गी तोउ।” इ: सुण कइ तेस नौखरे ती दुख भुन्ता त से पछतान्ता।

अस बुछ कि कोई ईं कम बाड़े नेई, जेन्हि सरकार कम करुं जे रुपेई त सोब साधन देन्ति, ताकि कोई अब्बुल रोड़, या पुड़, गी या योजना बणती। अस सोचते कि अस सरकारे बुद्धु बणान्ते। त अस इस कथाए नौखरे ईं काम कते। पर पता से काम असी जे भुन्तु। अस से कमजोरी सेहन्ते त कष्ट पान्ते।

त एइए सोब मी कइ सोह कते कि अस इमानदारी जुए काम कते त हें पाँगी घाटी सुहिलयत कते।

11. तुस कोंउ भिन्थ?

यक रोज यक जिल्हाणु अपु पिओख गई। त तेनि अपु ईया जे अपु सोब दुख त कष्टे बारे बताउ त बोलु, “बिया, अब पता नेई अउं की कती। जी त बोता की सोब कुछ छाड़ दी कइ कुरेह् नश घेन्ती या दरेउ टाउ देन्ती। में उड़याम कदी ना मुकती त गीहे हालत

सुआ खराब भुण लगो असी। यक ठीक भुणे पेहले होरा शुरु भोई घेन्ती।” तसे ई चुपचाप सुणती रेही त पता बोती यक लेन्सुड़ अन्तर पुओण छड़ त तस अन्तर कुछ गाजर, त कुछ अनुण त धिक कॉफी पाउडर छई कइ लुकाण दे। त से सोब

लेन्सुड़ अन्तर छई कइ आग जाण लगी।

कुछ देर पत, तथ लुक एई गई त तसे ईए से सम्हाई भीं कढ़ी त अपु कुई हराली। बोती “की हेरती?” त से बोती, “गाजर, त आनुण। अच्छा

तु एस् अन्तर की की छोओ थीउ? से बोती " गाजर, अनुण त कॉफी पाउडर"। त ई बोती "अब एन्ही की की भुओ असु? त से बोती, "गाजर पेहले टाटोरे थिए पर अभेईं नरमी गो असे। अनुण अगिर हालकु थिउ अब टाटोरु भोई गो असु, त कॉफी पाउडर यकदम पुओण जुए मी कइ तसे रंग बदलि छो असा।" "तेईं खारु बोलु कुईए। इ :सोब चीजे यक ईं हालत अन्तर थिए पर से अलग अलग भोई गे। गाजर जे टाटोरी थी, लुको पुओण बलि अब नरमी गो असी। अनुण जे कमजोर थिउ अब टाटोरु भोई गो असु। कॉफी जे धिकुबई थी अब पुरे पुओण जुए मी कई तेसे रंग बदलाई छोओ असा। इन्ही बुछ तु कोउं भो? तु कि गाजर भोएल जे मुशिबत अन्तर नरमी घेन्ती ना तु अनुण भोएल जे मुशिबत अन्तर ताकतबर बणतु या फि तु कॉफी पाउडर भोएल जे मुसिबत जुए मी कई मुशिबत बदल छती त अपु फायदा कती?"

इसे बलि तस कुई समझ एई घेन्ती कि मुशिबत, त कष्ट कुछ नेई। से त हें भलाई जुए बणो असी। अगर अस तेसे ठीक हिसाब जुए सामना कते त से हें काम एन्ती ना त असी ढाई छती।

12. साहुकारे सत कुइ के कथा

यक ग्रां यक साहुकार त तसे जुएली थी। तन्के सत कुई थी। तेन्ही केईं यक गौड़ा बी थिआ। से गौड़ा सत कुठेण दुध देंतथ। यक रोज तेन्ही दुहुई अपफ बुच बोक की, कि असी ए सतो कुई दुर जंगल पजाई छेईं। तोउं

असी सत कुठेण दुध रज्जी भुन्तु। यक रोज भ्यागे तन्के बोउए तेन्ही जे बोलु, कुईओ हंटे, अस कठोड़ी जे घेन्ते। से कुई तेयारी गई। तोउं से सतो कुई त तन्के बोउ कठोडी जे घेई गे। हंटते-हंटते दूर जंगल पुजी गे। तठी तन्के बोउ बोता " कुइओ में पेट ई लगती, अउं बहारी घेई ऐन्ता। तुस इठी मोउं भाड़ी बिशे"। कुई

बोती "आं", त से घेई गा। तेन बुटे जोई यक बोबड़ बन्ह छड़ा। से बोबड़ ब्यारी बइ हिलतथ, त ड़ोर-ड़ोर कताथ। तोउं से कुई बोती हें बोउ तीं ढोरकाण लगो असी। तोउं तेन्के बोउ अपु गी पुज गा, तिएस तेन गौड़े दुईए कुठेण दुध दुतु।

से कुई अपु बोउ भाड़ी-भाड़ी थकी गई। तोउं अन्हारी लग गोउ। से यक कुड़ पड्डे बिश गई। तेन्ही ठण्ड भुण लगु, से उचाई-उचाई भुन्ती गई, त यक राकसिणि टन्न पुज गई। राकसिण बोती "एईए-एईए कुईओ, अउं तुं सक्की मोसि भो"। से तठी बिश गई। हओस भ्यागे राकसिण बोती "कुईओ, हंटे अस कठोडी जे घेन्ते। सोभी केंआ बोडी कुई, गी रौठि बणाण जे बिश त हंटे अस कठोड़ घिन ऐन्ते। से घेई गई। तोउं राकसिण पैठि आई। तेन से जेठि कुई मार कइ बणाई छई। तोउं तसे होरी भेण कठोड़ घिन ऐई। तेन्ही राकसिणि केंआ पुछु, मोसिए, हें भेण को? तोउं राकसिणि बोती "इस सामे कुई, टिका-टारा ला दे पार भतार घेई गई" बोती। अच्छा, तुस खाजें खांण दिए।" से खांजे खाई कइ उघं गई। होउस भ्यागे फिर बोती

हंटे अस कठोड़ी जे घेन्ते। तुसी बुचा यक कुइ गी बिशे, रौठी बणाण जे। से फिर कठोड़ी जे घेई गई। यक कुई फिर गीहे छई। तढ़ीया पता फिर राकसिण पैठ आई, तेन से कुई बी मार छई। तोउं होरी से फिर कठोड़ घिन एई

गइ। तेन्ही फिर राकसिण केंआ पुछु, मोसीए हें भेण को? राकसिणि बोती "इस सामे कुई टिका-टारा ला दे पार भतार घेई गई।" ती कते-कते तेन सोब भेण मार छई। यक आखिर कुई रेही गई। तोउं यक रोज राकसिणि तस जे बोती, तू गी बिश त खाड़े चड़ा, अउं कठोड़ी जे घेन्ती। से कुइ बोती, "आं", अउं खाड़े चड़ाण्ती। से खाड़े चड़ाण लग गई। तोउं तठी यक मुशरेउं नुथु। से बोतु" मोउं खाड़े खांण दें, तोउं अउं तोउ जे यक बोक लान्ता। से बोती "खा"। मुशरेउं खाड़े खांण लग गोउ। तोउं से कुइ बोती" बोल, अब की बोता?" तोउं से मुशरेउं बोतु" तें सोब भेण, एन राकसिणि मार छओ असी। हंट बोता अउं तोउ कि हरालता। तोउं तेन मुशरेउं से कुई दुवा पतूं नी हरालण जे। तठी तसे भेंहणी के जन्घ थी। तोउं से मुशरेउं बोतु, "गउटाण अन्तर हेर, तथ तसे भेंणी के मुकडु थिए। तेन्ही हेर कइ से रोलुण लगी। तोउं मुशरेउं बोतु "तु अठी रोलुण ना बिश। राकसिण एई कइ तोउ बी खाई छती। तु इठया नश गा, त अपु घुगुंर में पुंछिड़ी जोई बन्ह छाड़"। तेन कुई अपु घुगुंर तस मुशरेउं पुछीड़ी जोई बन्ह छड़े। त मुशरेउं तस जे बोतु, "तु दुवा पतूं न्योकीण दे। राकसिण ऐएली त तु तठिया दौड़ दी कइ नश गा। तोउं राकसिण आई त से कुई तठिया नश गई। त मुशरेउं बी भिथ

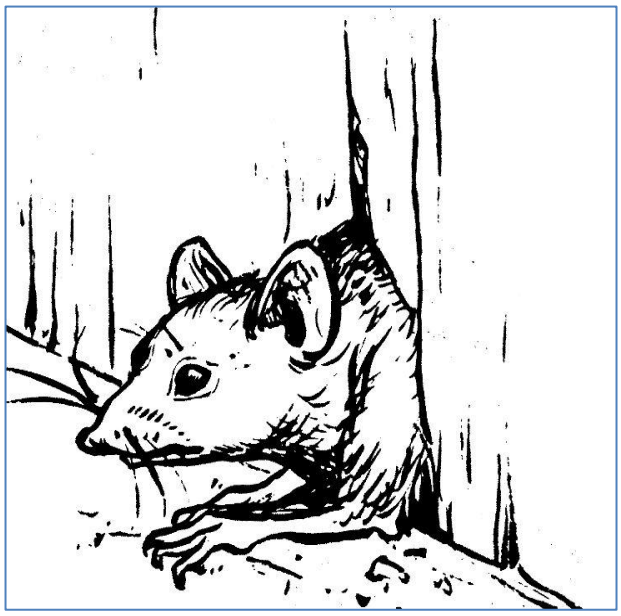

अन्तर घेई गोउ। तथ घेइ कइ छन-छन करूं लगु। राकसिण बोती "अच्छा तु अथ न्योको असी ना, तेन भिथ पुठी छई। मुशरेउं होर भिथ अन्तर घेई गोउ। त राकसिणि होरी भिथ बी पुठि छई। ती कइ-कइ मुशरेउं यक भिथ होर बिथ घेन्तू, त राकसिणि सोब भिथ पुठ छेई। तोउं तेथा मुशरेउं नुथू, राकसिणि

हेरू त बोती ओहो!, तु मुशरू भो ना, तोउं राकसिण तस कुइ तोपुण जे घेइ गई। से कुई दूर जंगल घेई कइ यक बोडी हड़ केईं पुजी, त हड़ जे बोती "हड़े! फुट-फुट", हड़ फुट गई। से कुई

हड़ अन्तर घेइ गई। तोउं बोती "हड़े! बझ-बझ"। त से हड़ बझ गई। राकसिण तठी पुजी गई, तस कुई यक अगुंल बेहर रेही गोउ। तेन से खाई छउ। तोउं राकसिणि बोती, "अहा! अबल स्वाद असा, ई पता भुन्ताथ त अउं तोउ पेहले खाई छतिथ। तोउं से तठिया नश गई। तस हड़ पुठ यक

राजे कुक एन्ताथ। से कुक राजे महल घेइ कइ बोता "पढ़ा कटिएल पुठा कटिएल बुचा राजे राणी निसती"। से कुक सुआ रोज तिहाणी बोता। यक रोज राजा अपु सिपाई जे बोता, "हंटे अस कुकु पता घेन्ते ए कि बोलण लगो सा, तठी घेइ कइ हेरते।" तस हड़ी भेंहड़ पुज कइ, कुक फिर बोलु लगा,

"पढ़ा कटिएल पुठा कटिएल बुचा राजे राणी निसती । राजा अपु सिपाई जे बोता, "अस हड़ कटीण दिए, तन्ही से हड़ कटी छड़ी। तथ अन्तरा यक कुई निथी। राजे से कुई अपु गी आंण्हती, तस जोई ब्याह किआ। तोउं तस यक कुआ जम्मा। तोउं राजे अपु नोखर, तस कुइ बोउए गी लन्घे, तेन्ही जे बोलु" तुं कुई कुआ जम्मो असा। तसे ईया त बोउए खुशी गे। से अपु कुई गी, रौठी घिन आ। त अपु कुई केआं माफी मागण लगे। बोते कुईए असी केंआ बोडी गलती भोई गई, असी माफ कइ छड़। तोउं से कुई अपु ईया त बोउए गड़े मिई, त से सोब खुश भोई गे।

13. हुडानी

सुआ साल पेहले, यक भोट हुडानी गुहले अन्तर यक अनुण मेउ। से अनुण गरम थिउ। त भोट तस अपु गी घिन गा त कुकिड़ि अनुण बुछ छड़ु। कुछ रोज पता जपल अनुण केआं चुजे निसण लगे त तेन्हि बुछ यक हुडानी बच्चा बि आ। से होरे कुकिड़ चुजी जुए मी कइ दाना तोपुण लगा, जन त होरे गन्दे चीजे बि खाण लगा। इः कते-कुते से मोटा भुआ।

यक रोज से खड़िया हेरुं लगा त तस हुडानी अपु मोटे मोटे पाखुड़ खोल कइ उडरती केण लगी। से बिचारा डर कइ नियोकुण लगा त सोचु, "काश अउं बी हुडानी भुन्ताथ, त अउं बि एसे ईं खड़िया उडरताथ त मोउं कदी डर ना लगताथ। पर की करूं अउं

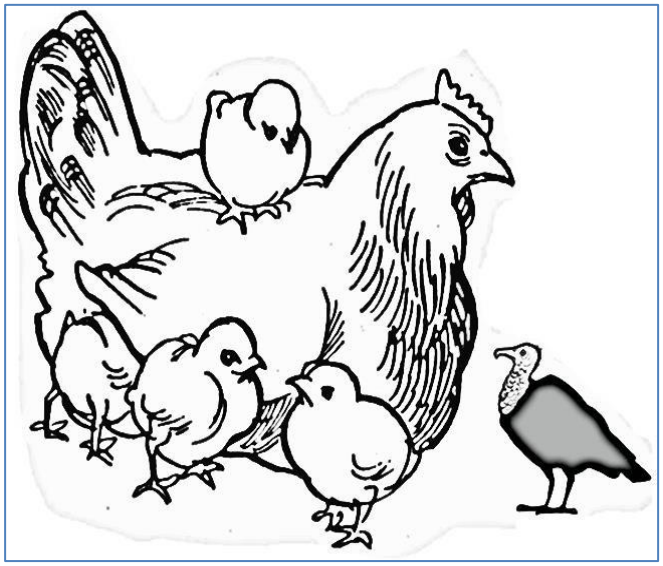

त कुकिड़ भो। अउं कदी एतु खड़िया ना उडर सकता।" इः सोच कइ तेनि कदी अपु पांखुड़ ना खोले त ना उडरणे कोशिश की। बल्कि से जेस हाल अन्तर जम्मो थिआ तस हाल अन्तर रेही गा।

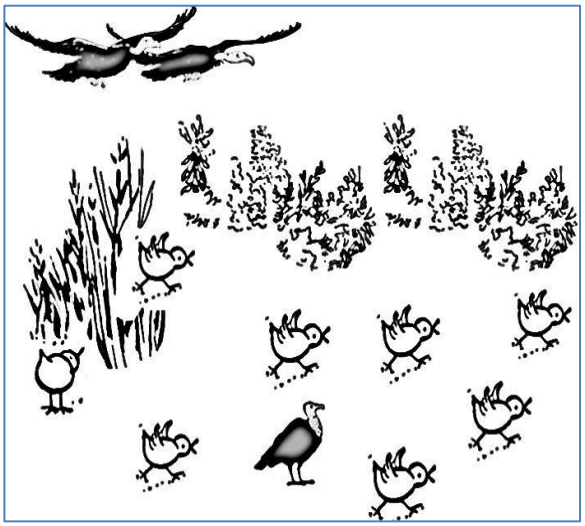

असी बुछ बी सुआ एस हुडानी बच्चे ईं असे। अस अपु मठणियारे हालत जुए बन्ही गो असे। त अस अपफ जे बोते, “काश अउं बि तेसे ईं भुन्ताथ।” पर अस कदी सोचते नाउ की “अउं कोउं भो, त अउं की की कई सकता।” अस अपु पुरी उमर होरे जे हापड़ते हापड़ते गुजारते।

14. सही प्यार

विकास ठाकुर, यक कॉलेजे कुआ थिआ। तेस यक कुई ती ट्यारी लगतीथ। से कुई ततु बि अब्बुल नेओथ पर पता नेई किस विकास तस पुठ फिदा भोई गो थिआ। से घड़ि घड़ि तसे बारे सोचताथ त अपु भविष्य बारे ब्योरा कताथ कि से कॉलेजे पढ़ुं मुकाई कइ की कता ताकि से तस कुई जुओइ ब्याह् कइ के अपु सारी उमर तस जुए काटता। त कदि कदि तसे दोस्त तसे हाल हेर कइ बोतेथ “ओ यार तु इरुह् सपुने हेरी बिश्ता ना कि अगर बि कुछ कता। तस कुई पुछिण दे, से बि तोउ चाहती ना? मौका हेर कइ अपु दिले बोक बताण दे।” से

बोता “हाँ यारा, मोउं तस जे बोलुण लौतु। पर कि करीएल, तस कुई हेर कइ में हिम्मत टूटती।”

पर यक रोज तेनि बड़ी हिम्मत की त तस कुई जे बोल छड़ु। तस कुई पता थिया कि विकास तस पसंद कता पर तेनि तस जे ‘ना’ कइ छड़ा। त

विकासे दोस्त सोचुण लगे कि भाई अब ए: त गा। अब ए: नशा कता त होरे होरे गलत काम कता। क्लास अन्तर ना बिश्ता। अपु पढ़ाई छड़ देन्ता। बिचारा कतु चहन्ताथ, तेस कुई। पर विकास कुछ दुख ना कता। से सुसुर पढ़ुं लगता त होरे होरे कोई बि गलत काम ना कता। इ: हेर कइ तसे दोस्त परेशान भुई घेन्ते त तस पुछते, “कि बे! तु त मोटा नाटक कता। पेहले तेस कुई जे तु जगरा भुन्ताथ त अब की भु, तोउ दुख न भुआ ना?”

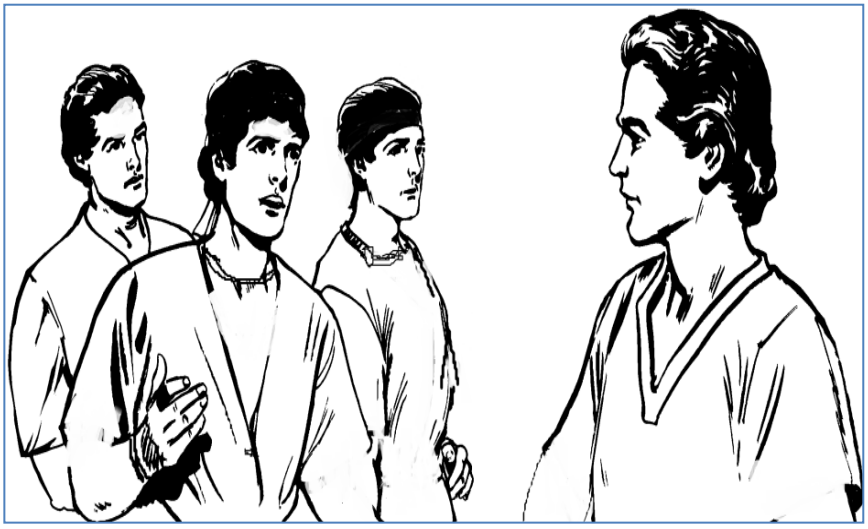

से बोता, “भिलिआ, दुख किस भुन्ता। तेस कुई घाटा भुआ ना। तेन यक सच्चा प्यार गवांई छा। मोउं त अपु प्यार मेईं घेन्ता पर तेस कुई यक सच्चा, खरा, धाणि ना मेता। त अउं किस दुख कता?” पता तेसे दोस्त समझी घेन्ते कि प्यार कि भुन्ता त से कतु मुशकिल जुए मेता।

15. घमण्ड

सुआ साल पेहले, गोरेलाल नोउए यक बड़ा मुर्तिकार थिआ। तसे मुर्ती इः लगतिथ कि जीं से सचमुच जीन्ति असी। त तेस सुआ घमण्ड थिया कि तसे ईं मुर्ती होरा कोई बणाईं ना सकता।

यक रोज तेनि सपुने अन्तर हेरु कि कोई पन्द्राह रोज पता यमराजे चेले तस नेण जे एन्ते। त तेन झटपट नोउ मुर्ती बणाई जे तसे ईं थी। त से यक जगाइ रखी। पता पन्द्राहू रोजे तिएस, यमराजे चेले तस नेण जे आए त से झट तेन्हि मुर्ती बुच चुपचाप खड़ भोई गा। यमराजे चेले दश गोरेलाल हेर कइ परेशाण भुई गे। तेन्हि बिचारि पछाणि नेई बटो कि कोउं जीन्ता सा त कोउं मुर्ती असी। तेन्के टेएम खतम भुआ त से वापिस यमराज केआं गे त तस सोब कुछ बोताउ।

यमराज इः सुण कइ हैरान भुआ त से अपफ गोरेलाल नेण जे आ। सचमुच तस कमरे अन्तर दश गोरेलाल खड़िए थिए। यमराज बि गोरेलाले पछाण सुआ औखु लगु। पता तेन धिक सोचु

त यक मुर्ती भेएड़ घेई कइ बोलु, “गोरेलाल, तें काम बढ़िआ असु। सिवाय इसे।” इः सुण कइ गोरेलाल केआं चुप ना रेही गोउ त से झट बाहर एई गा त बोलुण लगा “इस मुर्ती अन्तर की खराबी असी?” त यमराजे से टाता त बोलु, “इस मुर्ती अन्तर कोई खराबी नेई, पर तोउ अन्तर खराबी असी।” तपल गोरेलाले टी खुल गे कि तसे काम अन्तर कोई खराबी नेई बल्कि तसे गुण खराब असे। अगर तसे गुण ठीक भुन्तेथ त से यमराज केआं बच घेन्ताथ।

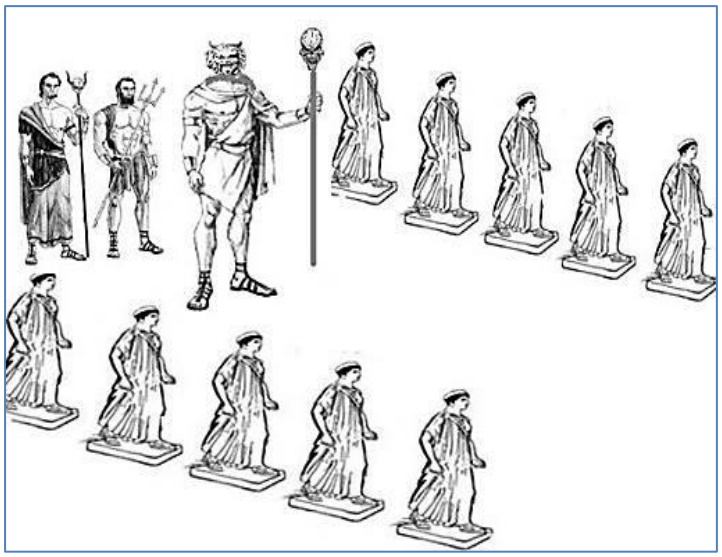

16. सिगाली त गौड़े कथा

यक सिगाल थी, तसे यक गौड़ा थिआ। तस नओ शगुण थिउ। सिगाली अपु गौड़ा ट्यरा थिआ। से तस जे रोज घास त पोणि अड़तीथ। जिखेईं सिगाली घास त पेऑ जे घेन्तीथ, तिखईं सिगाली गौड़ा अन्तर अपु दुवा चढ़ छताथ। तोउं से घास घिन ऐंतीथ त अपु गौड़े जे बोतीथ, "शगुंणा, मगुंणा दुवा उघाड़, मेईं तोउ जे घडोली पोणि त डिमोली घास अण्हो असु। तोउं तसे गौड़ा दुवा उघाड़ छताथ। तोउं सिगाली अपु गौड़ा धे घास त पोणि देंतीथ।

से गौड़ा अपु सिगाली बोक पिछयाणि छताथ। तठि तेन्के भेंड़ यक ढ़ेबु बी बिशतथ। से ढ़ेबु रोज हेरता त अपु मन अन्तर सोचता कि अस गौड़े कोपल खउ। यक रोज सिगाल फिर घास त पेऑ जे गई, त तिखैईं ढ़ेबु हेरी बशो थिआ। सिगाली घेन्ते ई ढ़ेबु सिगाली दुवा पुठ ऐइ गा। से शगुण जे हक देंण लगा, "शगुंणा, मगुंणा दुवा उघाड़, मेईं तोउ जे घडोली पोणि त डिमोली घास अण्हो असु। शगुंण ढ़ेबु बोक पिछाणी छई। शगुण दुवा ना उघाड़ु। ढ़ेबु तठिया घेई गा। रोज सिगाली

घास त पेऑ जे घेन्ती त ढ़ेबु सिगाली दुवा पुठ एई कइ तिहाणी बोताथ, पर शगुंण ढ़ेबु बोक पिछाणी छताथ।

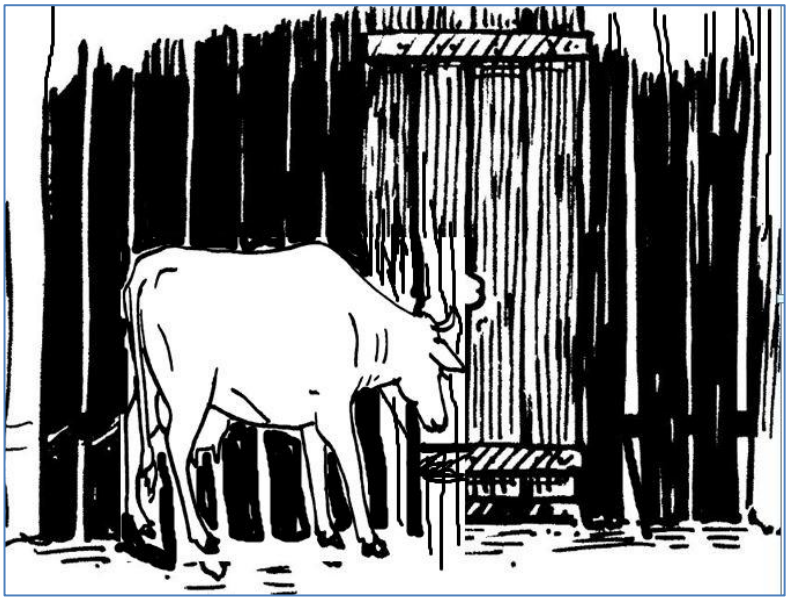

यक रोज ढ़ेबु डुम केईं गा। त डुम जे बोता “मैं जिभुड़ पटां दे”। डुम ढ़ेबु हेर कइ डर गा। डुमे झट-पट ढ़ेबु जिभुड़ पटाइ छउ। होउस सिगाली फिर घास त पेऑ जे गई। शगुण दुवा चढ़ छउ। तोउं से ढ़ेबु फिर सिगाली दुवा पुठ ऐइ गा, त शगुंण जे बोता “शगुंण, मगुंण दुवा उघाड़, मेईं तोउ जे घडोली पोणि त डिमोली घास अण्हो असु”। शगुंण मन तसे सिगाली ओ असी। तेन झट-पट दुवा उघाड़ छो। ढ़ेबु अन्तर आ। तेन सिगाली गौड़ा मार छड़ा। मारी कइ गौड़े मुकुड़ गहोली जुओई बहन छो। होरा पुरा गौड़ा ढ़ेबु खई छड़ा। तढ़िया पता सिगाली आई, से अपु गौड़े जे हक देण लगी। पर तसे गौड़े दुवा उघाड़ु नओ। से

लेहेरी कइ तेन दुवा पुठ लते दिती दे दुवा टुठी गोउ। से अन्तर एई गई। तन गौड़े अगर घास त पोणि छउ, बोती “खा आज तोउ कि भो असु। तेईं दुवा किस ना उघाड़ु”। तोउं से अपफ जे रौठी बणा लग गई। चेरे भोई गोउ, पर गौड़ा घास खाण लगोरा ना थिआ। तोउं सिगाली तस जे बोलु “तु घास खाण किस नेई लगो? खाण दे मेईं तोउ जे नरम घास आणतो असु। पर गौड़ा फिर बि घास खाण लगा नओ। तोउं सिगाली गौड़े भेड़ गई, हेरू त गौड़ा मरी गो असा। सिगाली रोलुण लगी, बोती “में गौड़ा केन मारा”। से जोरी-जोरी रोलुण लगी। तसे लियरी शुण कइ ढ़ेबु बी तठी एई गा। सिगाल बोती में गौड़ा केन मारा। ढ़ेबु बोता “मेईं मारा”। सिगाली तस जे ग्या देण लगी। ढ़ेबु बोता “तु मोउं जे ग्या ना दे। अउं तोउ बि खाई छता। ढ़ेबु सिगाल तठीआ दौड़ाई छड़ी।

17. चोउर जुएली कथा

यक अमीर मेह्णु थिआ जेसे चोउर जुएली थी। से सोबि केआं ज्यादा चौथी जुएली प्यार कताथ त तसे धे अब्बुल अब्बुल झिणे त खाणे चीज देन्ताथ। से तस बड़ी अराम जुए रखताथ त कदी कोई कुस्तरी चीजे ना देन्ताथ। से साहुकार अपु टेकि जुएली बि सुआ प्यार कताथ किस कि से

हेरुण सुआ अब्बुल थी। तस से अपु दोस्ती त होरे मेह्णु हरालुण चहन्ताथ। त तस पुठ रोभ किढ़ताथ कि में ईं जुएली होरे केसे केईं नेई। पर तसे इः डर लगताथ कि इः ना भुओ लौतु, कि से केसे होरी मेह्णु जुए नश घिएल। तेस अपु दोकि जुएली बि तीं ट्यारी लगतिथ। से बड़ी चंठ थी त बड़ा कष्ट उठान्तिथ। जपल बि साहुकार परशान भुन्ताथ त से तस ठीक कतिथ त तेस बचाई छतिथ। साहुकारे पेहली जुएली बड़ी नेक थी त से कमकाज त गीहे रखवाली बि खरी कतिथ तोउं बि से साहुकार पसंद नेओथ। से बिचारी जेतु बि कमियेल तोउं बि साहुकार तेसे कदी ख्याल ना रखताथ।

यक रोज से सुआ बिमार भुई गा। त डाक्टरे बोलु कि से झट मारी घेन्ता। त से बड़ी दुख जुए अपु जिन्देगी, गीहे, अब्बुल

अब्बुल जुएली, त खाणे बारे सोचुं लगा। त बोलु, "ओ-हो! अभेईं मोउं केईं चोउर जुएली असि, पर जपल अउं मरुं त बड़ा अकेला भोई घेन्ता। बगैर जुएली छेड़ह् भोई घेन्ता।"

त से अपु चौथी जुएली जे घेई कइ बोता, "अउं तोउ ती प्यार कता। सिर्फ तोउ अब्बुल अब्बुल चीजे खिलाई त अब्बुल अब्बुल झिणे डवाई कइ खरी रखी। अभेईं, अउं मरणे बाड़ा असा तु मोउं जुए साथ आई, तोउं अउं अकेला ना भुन्ता।" पर से तस जे बोति, "ना अउं कदी तोउ जुए ना एन्ती"। इः बोक सुण कइ तस साहुकार सुआ दुख भुआ। तोउं से टेकि जुएली केईं गा त तेस जे बी तीं बोता। त से बोती "ना ना, इठि जीण सुआ अब्बुल असु। तु जपल मरियेल तोउं अउं केसे होरि जुए ब्याह् कती त तस जुए बिश्ती। अउं तोउ जुए ना एन्ती।" इः सुण कई तसे दिल टुकुड़ टुकुड़ भोई घेन्ता। त से अपु दोकी जुएली जे घेई कइ बोता, "जुएलीए, हेर तेईं हमेशा अउं मुशिबत केआं बचोओ असा। छन्ने,

इस फेरी बि में साथ दिए। जपल अउं मर घेन्ता त तु बि मोउं जुए आई। तोउं अउं अकेला ना भुन्ता।" इः बोक सुण कइ दोकि जुएली बोती, "मोउं माफ कर, इस फेरी अउं तें मदद ना कई सकती। ज्यादा से ज्यादा अउं तोउ कहन देन्ति त दाग देन्ती।" इः बोक सुण कइ साहुकारे काइया निसुण लगी। से घेण जे मुड़ा त यक अवाज आई, "अउं तोउ जुए एन्ती! मोजि तु जेठी बि भोल, अउं तोउ जुए बिश्ती।" से साहुकार हेरता त तसे पेहली जुएली बोलुण लगो थी। ईं लगतुथ जीं तेस पुठ सुआ कष्ट थिआ त शुख कई सिर्फ हालोटे ई बचो थिए। त से साहुकार तस हेर कइ बड़े दुख जुए बोता, "अउं कतो बेवखुफ असा। मोउं पेहले तें ख्याल रखुण लौतीथ। पर मेईं बेकार चीजी पुठ अपुं दिल ला।" पता से साहुकार मरी घेन्ता त तसे पेहली जुएली तस जुए घेन्ती।

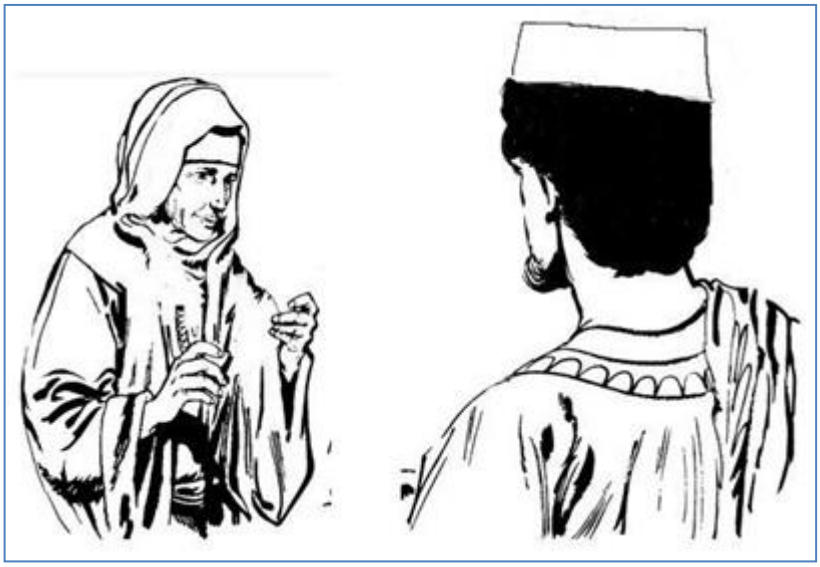

इस कथा अन्तर जे चौथी जुएली भिन्थ से हें जिसम भो। अस जेतु बि रुपेई खर्चि कइ एस अब्बुल रखते, तोउं बि जपल अस मरते से असी अकेला छड़ि देन्ति। जे टेकि जुएली भिन्थ से हें धन दौलत असा, जेस अस अपु दोस्ती हरालण चहन्ते त तेन्हि पुठ रोभ बि किढ़ते। पर जपल अस मरते त से सोब केसे

होरे केईं घेई घेन्तु। जे दोकी जुएली असी से हें टब्बर त होरे रिस्तेदार असे। से दुख त कष्टे वकत हें साथ देन्ते त मदद बि कते। पर जपल अस मरते त से सिर्फ असी फुकुण जे कह्न देण जे त दाग देण जे एन्ते। तस केआं अगिर से ना घेई सकते। जे पेहली जुएली असी से हें आत्मा भो। जपल अस मरते सिर्फ से असी जुए एन्ती त हें साथ देन्ती।

पर अस धन-दौलत त अंपु सुह्लियत तोपते तोपते तस बिश्री गो असे। तोउं त से शुख कई सिर्फ हालोटे ईं भोई गो असी। त इः खारु भुन्तु कि अस चेरे भुणे केआं पेहले ईं अपु आत्मा ख्याल रखे।

18. बोके ताकत

रोहित नोउए यक कुआ थिआ। तेस बोक बोक पुठ सुआ लेहर एन्तीथ। यक रोज तसे बोउए तसे धे यक लिफापा भई मीएखि दिति। त तस जे बोलु, “तु जपल बि उश्कीएल त इस बेद बुटा पुठ यक यक मीएखि लाण दे।” से बोता, “ठीक असी, बोउआ।” पेहले रोज तेन्हि कोई 33 मिएखि लेइ। त जीं-जीं दिन बितते गे त से कम कम मीएखि लाण लगा। त मठे मठे तेसे लेहर बी खत्म भुई गई। पता तस इः ख्याल आ कि अपु लेहर बचाई रखूण केआं बुटे पुठ मीएखि लाण सुआ औखि असी।

इः भुई भाई यक रोज तेनि लेहर न कीढ़ी त अपु बोउ जे बोल छड़ु। तेसे बोउ बोलु, “शाबश कोइआ, अभेईं जतो रोज तोउं लेहर न एन्ति तेति मिएखि बुटे केआं पुटिण दे।” से रोज घेई कइ तेस बेदे बुटे पुटा यक यक मीएखि पुठताथ। जपल सम्हाई मीएखि भी निस

गेई त तेन घेई कइ अपु बोउ जे बोलु कि से अब लेहर ना किढ़ता त सम्हाई मीएखि बि भीं निस गो असी।

तेसे बोउए रोहित तेस बुटा भेएड़ निआ त तेस हरालु कि तेस बुटे हाल की असे। तेस सुआ छण्ड भो थीए त तेन्हि मीएखि के निशाण तेठि हउ बि थिए। अब्बुल बेदे बुटा, अभेईं कुस्तुरा केताथ। से बोता "रोहित,

जपल तु लेहर अन्तर होरि होरी बोक कता त से निशान मेहणु दिल अन्तर रेहि घेन्ते। पता से कदी ना मिटते। तु जतो लिंग बि माफकर, माफकर बोलियेल तोउं बि से ना मिटते। किस कि जुवानी घा बि जिसमें घाए ईं भुन्ते।" रोहित पता लग गा कि तेस बोक कीं करीं जैसे बलि मेहणु के दिल अन्तऱ मिएखि न लगिएल बल्कि तेन्हि सुख त आराम मिलिएल।

19. मुर्खी जुए दोस्ती बर्बाद कती।

यक रजवाणी यक राजा थिआ। तेसे महल अन्तर सुआ जानवर थिए। यक बांदर तेस राजे सुआ ट्यारा थिआ। से तेसे जुओई बिशताथ त तेसे जुओई खान्तथ।

यक रोज से राजा उंघो थिआ। से बांदर तेस पंखा करं लगो थिआ। यक माछि घड़ि घड़ि, राजे मूंह पुठ एई कई बिशुं लगो थी। बांदर तेस तरान्तेथ। पर से दुबारी तेसे मुँह पुठ बिश घेन्तिथ। पता से माछि राजे नक पुठ बिश गई। बांदर तेस हेर कई लेहर एई गई त तेनि तलवार टाई कई माछि पुठ जे ठोकि त तेसे बोलि राजे नक कटी गोउ।

सीख :- मुर्खी जुओई कदि बि दोस्ति न लाणी ।

20. साहुकारे त ढांमूसलु

यक ग्रां अन्तर यक साहुकार थिआ,त ढांमुसल नाउए यक गरीब बि थिआ। साहुकारे सुआ ढडुड़-गोउर थिए, त ढांमुसल यक ई गौड़ा थिआ। यक धनिसे ब्यादी तेनि अपु आग पुट दुई लोन्सुड़ छओ थिए।

यक अन्तर धिकु भइ घी थिउ त यक अन्तर शुकडु पुओण थिउ। तोउं तेन्ही रौठि खाणे की त ढांमुसल अपु गभुरू पुछुण लगा, गभुरो तुस की खान्ते, सजरू घी खाते , ना कौड़ु घी खान्ते।" जिखेईं से अपु गभुरु जे बोलुण लगो थिआ तिखेईं साहुकारे कुआ तेन्के तुबारि बई हेरी बुठो थिआ। से दौड़ दी कइ अपु अन्तर गा त तेनी अपु बोउ जे बोलु "बोउआ, ढांमुसल अपु गभुरू के धे पुछ-पुछ घी देण लगो असा, बोता "गभुरो सजरू घी खांते ना कि कौड़ु

घी खांते? अस त अतो अमीर असे ,तुस असी पुछते नउ। से बोते ,असे यके गौड़ा असा फिर बी अन्ही केईं सवा घी असु। हें

सुआ ढड़ुड़-गोओर असे फिर बी असी केइ सुअ घी नेइ। साहुकार त तसे गभुर बोलुं लगे ढांमुसलु गौड़े मारी छते। यक रोज तेन्ही पेऑं बुछ जेहर मीआईं छड़ा। ढामुसलु गौड़े पोणि पिउ त से मरी गा। ढामुसल सुआ दुख भुआ। तेनि अपु गौड़ा टा त से ऊचोडा, तसे यक खिएड़ु बणाउ, त तस अन्तर पटास भरू त से घेई गा।

हंटते-हंटते से यक जंगल पुजी गा। तठी तस अन्हारी गोउ त से यक बुटे पठ चढ़ गा। पता तस बुटे पड़्डे चोर एई गे। तेन्ही राजे गेहणा त रुपेई चोरो थिए। ढामुसल बुटे पुठ उंघ लग गई ,त तसे हाता खिएड़ु झड़ गोउ। तथ अन्तरा ठटी पटास तेन्ही चोरी पुठ झड़ गोउ। से डरी कइ नशी गे। से चोर बोते“ दौड़े-दौड़े, भूत ओ असा।”

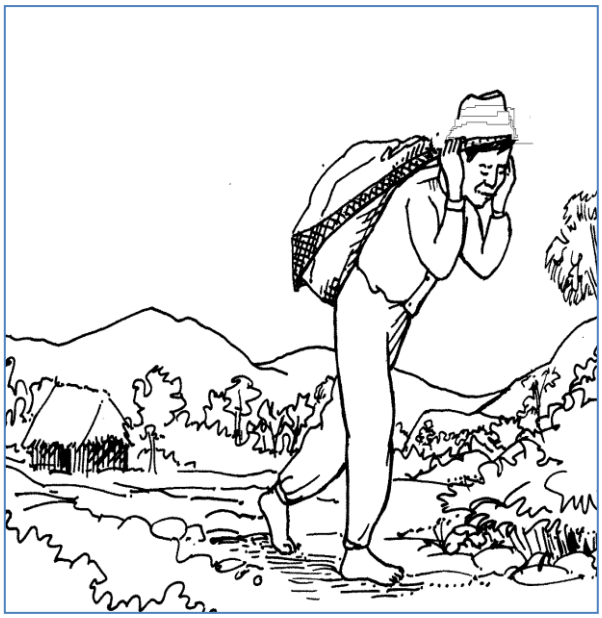

तन्के लियरी शुण कइ , ढामुसलु उंघ बीझी गई त से झट-पट भीं आ , त तेन हेरु तठी सुआ ट्रंक थिए। तेन्हि सोब अपु गी पजाइ छड़े। गी एई कइ हेरु तथ अन्तर सुअ गेहणा त रुपेई थिए। ढामुसलु अपु कुआ

साहुकारे गी लंघा ,बोता अन्के राउंन घिन आई। ढामुसलु कोये साहुकार केआं तसे राउंन मगु त साहुकार पुछता कि तोलणे किओ असी। ढामुसलु कुआ बोता ,मोउं नेई पता बाउए मांगो असु। साहुकारे अपु राउंन जुओई मखीर लाई कइ दुतु त से घेई गा। तोउं साहुकार अपु कुआ जे बोता अन्के तुबारी गा हेरीण दे ,ए की तोलुं लगो असे। से ढामुसलु तुबारी केआं हेरी बिशा। ढामुसलु रुपेई त गेहणा तोलुण लगो थिए। से कुआ अपु गी घेई कइ अपु बोउ जे बोता, “अन्ही सुआ गेहणा त रूपेई तोलुण लोसे। तोउं साहुकार ढामुसलु पुछता ,तेईं अत्तो गेहणा त रुपेई कोढिआ किए”।

से बोता में गौड़ा मरो थिआ ,मेईं तसे छोड़ी खिएड़ु बणाउ। तथ अन्तर पटास भरू त दूर शहर घेई कइ बेचू। तसे बोके सुणी कइ साहुकारे अपु सोब गोउर मार छड़े। तन्के छओड़ी उचोड़ी कइ खिएड़ु बणउ त तस अन्तर पटास भरी कइ बेच जे घेई गा। शहर पुजी कइ बोते“ पटाह् ले लो पटाह् ले लो”। मेहणु बोते ए कि जगरा असा। तोउं से मेहणु तस टांते त मडते।

21. सोमशर्मा बोउ ए कथा

यक ग्रां यक गरीब कुअ थिआ। तस नाउं धनपाल थियूं। से रोज भिख मंगण जे ग्रां-ग्रां घेन्ताथ। भिख मागी-मागी तेन सत्तु बई यक घड़ु भरो थिउं। घड़ु यक कठोड़े खुह्नि जुओई टगों थिउं त से तस पड़्डे मन्जा लाई कइ रोज उंघताथ। उंघणे टेम से तस घड़ु धें हेरी बोशताथ। यक रोज रात से उंघो सोचुं लगा कि जिखेईं अकाल एआल तिखैईं सत्तु बेच कईं मोउं सुआ रूपेई मेईं घेन्ते। तोउं अउं तेन्हि रुपेई के दुई बकिर खरीदता। तोउं तन्के छिएड़ु जंमते, तोउं मोउं केईं सुआ बकिर भोई घेन्ती। तोउं बकिर बेच कइ अउं गौड़े ,मेइही त खेच्चरे आणता। तोउं तन्के बच्छुर भुन्ते। तीं कइ कइ मोउं केईं सुआ गोउर भोई घेन्ते। तेन्हि बेच कईं मोउं के सुआ रूपेई भोई घेन्ते। रुपेई के बलि तोउं यक घर बणांता। तोउं मोउं अमीर मेहणु मन कइ कोउं अपु अब्बल कुई मेन्धे जुएली देन्ते। तोउं मोउं कुआ जम्मता ,तस नाउं सोमशर्मा रखता। कपले खेलते-खेलते से मोउं केईं जे एन्ता ,तोउं अउं लेहरी कइ अपु जुएली जे बोता इस कुआ टाण दे। से गीहे कम करुं लगो भुन्ती त में बोक न सुणती। तोउं अउं लेहरी कइ अपु जुएली पुठ यक

लत्ते देन्ता। तिह्याणी तेन सुपने लते दीती दे से घड़ु पुठ लगी त सत्तु के घड़ु भीं झड़ी गोउ। टुटो घड़ु जोई तसे मने सुपन बी टुठी गोउ। तोउं त बोते कम करणे बलिये फल मेता न कि सोचणे बलिये।

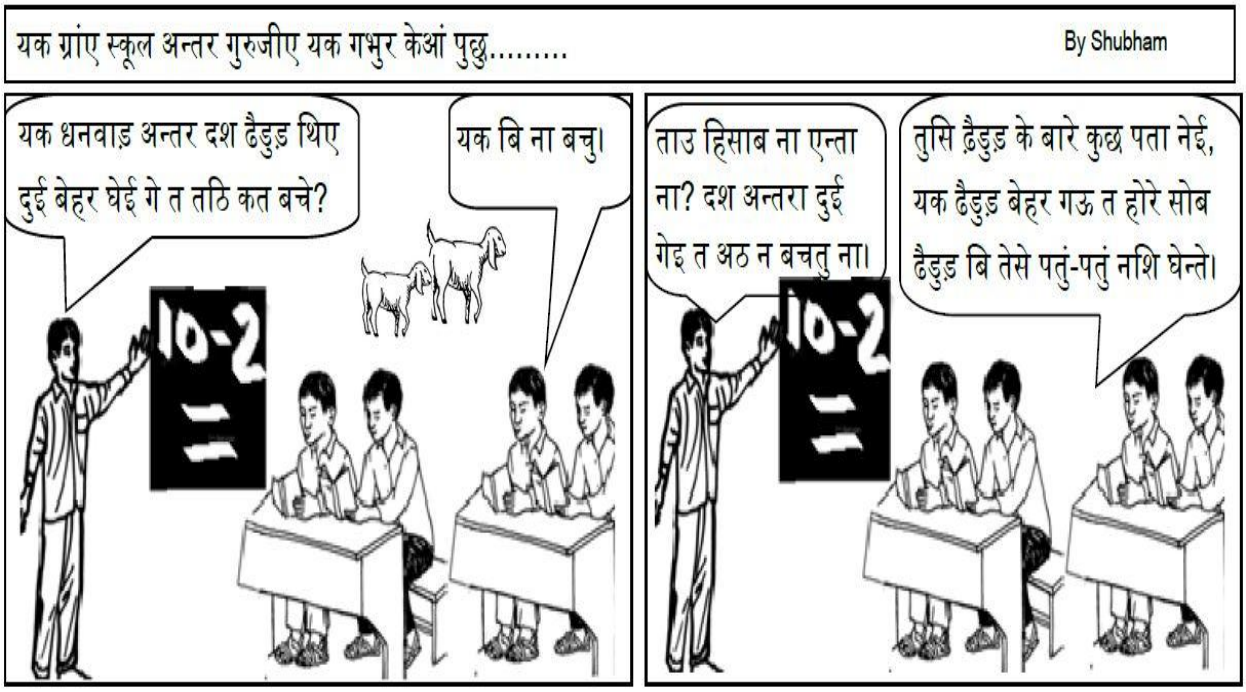

22. यक बिशण अन्तर ताकत असी

यक ग्रां अन्तर यक जिमदार थिआ। तसे चोउर कुआ थिए ,से चोउरो नकम्मे थिए। अपेपु बुच झगडीते रहेंतेथ। जिमदारे तन्ही समझाणे सुअ कोशिश की पर कोई फइदा न भुआ। यक रोज तेनि अपु चोउरो कुआ भिए

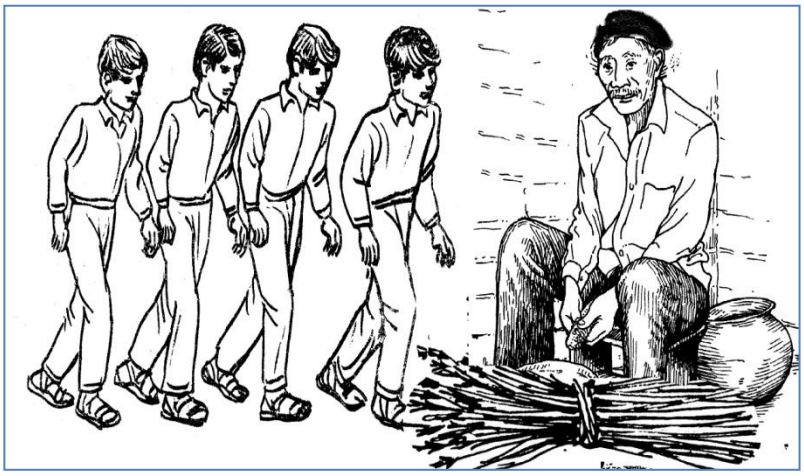

तन्ही केंअ यक भरोट कठोड़ मगे। तेन अपु सोबी कुआ के धे यक –यक डा कठोड़ दुतु। तन्ही जे बोलु तुस अहनी टोडिण दिए। तन्ही से टोड़ छडे। पता तनी यक भरूट लउ ,त बोलु तुस बारी बारी सोब जेई अस टोडी दिए। तन्ही से टोडी न बटू। तोउं जिमदारे से समझें ,तुस अपपु बुच सुसर बशिएल त तुसी कोजे अलग न कई सकता। अगर तुस अपपु बुच झगडिएल त होरे तु फईदा उठांते। तोउं त अउ तुसी समझांता , कि तुसी“ अपपु बुच झगडी नउ कठे बशण अन्तर बल असा ” ई शुण कइ से सोब अपपु बच मिल जुल कइ बिशण लगे। तोउं बोते न अपपु बुच मिल जुल कइ बुशण चाहिए ,ताकि होरे तसे फाईदा न उठाई सके।

23. लालच

यक लिंग यक लाला अपु ग्राहक जे मखीर बैचण लगो थिआ। तिखेईं अजगते लाले हतेउ केआं मखीरे डबुड़ु झड़ि गोउ त सुआ मखीर भीं झड़ि गोउ। पुठे-पुठे केआं साफ मखीर लाले डबुड़ु अन्तर किउ तोउं बि सुआ मखीर भीं रेहि गोउ। तढ़ीया पता सोब माछि मखीर पुठ

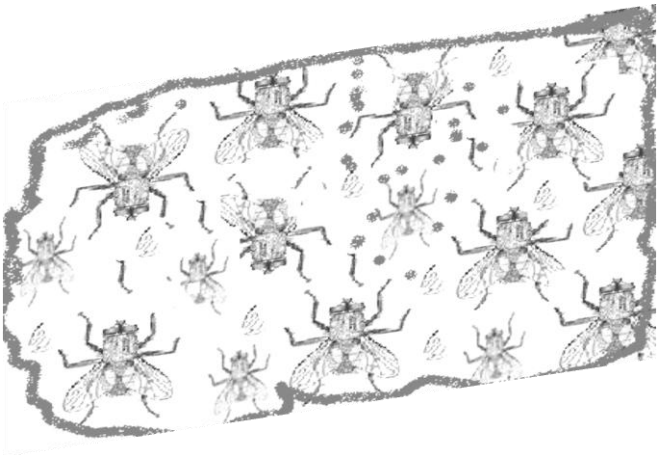

बिशण लगी त मुठु मखीर तेन्हि अब्बुल लगण लगु त सोब माछि झट पट मखीर चटुंण लगी। जिखेईं तकर तेन्के पेट न भरि। जिखेईं तेन्के पेट भरि तेन्हि उडरणे की पर तेन्हि केआं न उडरिउ। किस कि तेन्के पँखोड़ मखीर जुओई शची गो थिए। से झट उडरणे कोशिश कतिथ पर जादा शची घेन्तिथ। सुआ माछि मरी गई त सुआ माछि तड़पण लगो थी। सुआ माछि अपु पंखोड़ हिलकाण लगो थी तोउं बि सुआ माछि मखीर खाँ जे तेठि ऐण लगो थी। मरो त तड़पंण लगो माछि हेर कई बि तेन्के लालच नेओथ मुको। माछि के हालत त लालच हेर कइ लाला जीए बोलु - जे मेहणु जिभुड़ स्वादे लालच अन्तर पड़ी घेन्ता, से ऐन्हि माछि के ईं मुर्ख भुन्ता। थोड़ी देरे स्वादे सुख नेणे लालच अन्तर से अपु स्वास्थ्य त जीवन नष्ट कई छते। बिमार भुई कई तड़पते होर झट बिमारी बई मर घेन्ते।

24. स्वार्थी मित्र

यक ग्रां अन्तर दुई दोस्त थिए। तन्ही दुईए दोस्ती यक लिंग अपु गिहा व्यापार करण जे दूर शेहर घेणे ब्युरा किओ थिअ। तोउं तेन्हि दुई अपपु बुच वचन दिता कि ,जती बि मुसीबत एयेल ,यकी होरी मदद कते। तोउं ,से शेहर जे घेइ गा , हंटते हंटते यक घणे जंगल पुजे। जंगल सुआ बोडा त घणा थिआ।

दुहए दोस्त इए त ओ हेरी-हेरी कइ हंटण लगो थिए। यकदम तन्ही अगरा यक लाघ एन्ता कआ ,दुहए दोस्त डरी गे ,तस लाघ भेड़ जे एन्ता हेर कइ यक दोस्त बुटे पुट चढ़ कई पन्ने बुच नोक गा। दोके दोस्त बुटे पुट चडूं न एतुथ ,तेन अपु दोस्त जे हक दीती मोउं बी बुटे पुट चड़ा ,तसे दोस्त बोता तु अपपु चड़ीण दे लाघ मोउं खाई छाता। से डरीगा ,तेन

शुणो थिउं कि लाघ मरो मेहणु न खांता। से झट पट अपु सांस रोक कइ धरती पुठ सली गा। लाघे तसे मुशक शुघी ,तेन सोचू से मरी गोओ सा। से तठिया नश गा। तडिया पता तसे

दोस्त बुटे पुटा भिं आ त तेन तस जे बोलु खड़ भो ,लाघ नश गा। तउं से खडी गा ,तोउं तसे दोस्ते तस केंआ पुछु , लाघे तें कन पतुउ की बोलु ?से बोता लाघे मोउं जे बोलु कि स्वार्थि मित्र पुठ विशवास न करण। तउं से अपु गी जे वापस घेइ गा। अस कथा केंआ असी पता चलता कि सचा मित्र सेइये भो जे ओखी टेम कम एन्ता।

25. मेहणु मेहणु केंआ शिचते

यक ग्रां यक मेहणु थिआ। से रोज ब्यागे केंआ ब्यादी तकर जंगल बिशतथ। तेन जंगले बइ जे बी मेहणु घेन्तेथ, से तन्के सोब समान लुठ छतथ। से तस लुटो समाने बइ अपु टबरे गुजारा करण लगोथिआ। यक रोज तसे गिहाली पता लगा, कि से

जंगल केंआ मेहणु लुठ-लुठ समान अणत, त हें गुजारा कता। तउ तसे गिहे बाड़े तस जंगल न घेंण देंतथ। तउ तेन मेहणु बोलु कि, अउ की बुरू करूंण लगोसा। ठीक असु, अउं तुं सोबि के पेठ भरंण लगोसा। तउं तसे गिहाली बोलु, लुटो समाने बइ अस अपु गुजारा न कते। इ सोब शुण कइ से मेहणु चुप बुठा, से मेहणु होर कोइ न थिआ, से वाल्मिकी ऋषि थिआ। से इ सोब करणे त समझणे पता तेन रामएण लिखो थी। तउ बोते मेहणु हमेशा मेहुणु केंआ शिचते, से चाहे बुरू कम भो या खरू कम भो।

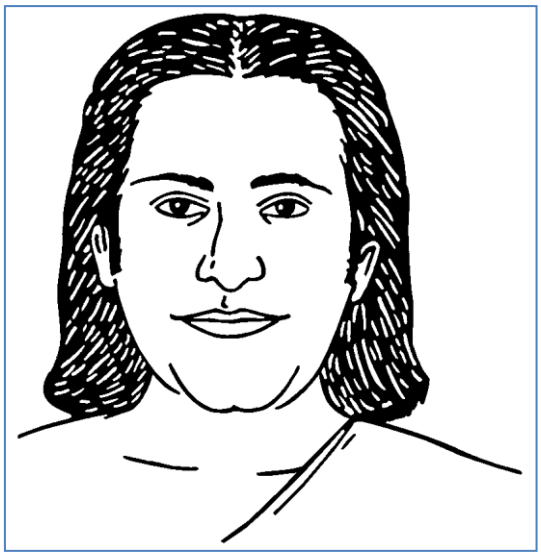

लिखित पंगवाड़ी भाषा : यक शुरुवात त तसे इतिहास

जुलाई 2006 अन्तर बिनय त धनुंजय भाषाविद् *Linguist* पेहलि बार पांगी घाटि ए। अस तपल भाषाविद् हिसाब जुए ओ थिए। हें लक्ष्य इ थिया कि अस पंगवाड़ी लिख कइ भाषा सुह्लियत करुं जे लोकल मेह्णु के मदद कते। मेह्णु जपल पुछ्तेथ कि अस कोउं भिन्थ त अस कि कम कते, त हें जवाब थिया कि अस भाषाविद् भिन्थ त असी जे भाषा लुखो नेई तेस भाषा लिख कइ सुह्लियत करुं जे मदद कते। जपल असी बोलु कि अस 'रिसर्च' कते त सुआ मेह्णु इ समझे कि अस Ph.D करुं लगो असे। त से होरे मेह्णु जे बि ती बोलुं लगे। ती भोई कइ सुआ मेह्णु असी Ph.D बोलि पेह्छाण लग गे। जपल अस तुबारि – पंगवाड़ी मासिक पत्रिका छपाण लगे त सुआ मेह्णु एसे सुसुर मतलब ना समझ बटे। अस इ हरालुं चाह्तेथ कि पंगवाड़ी भाषा अन्तर बि किताब, पत्रिका त होरे छपाणे चिज बण सकती।

असी पंगेईं एई कइ छ: साल भोई गो असे। इस बुछ असी पंगवाड़ी भाषाएं वर्णविचार त व्याकरण पुठ, त पंगवाड़ी कथा पुठ शोध कई के लेख लिखो असे। किस कि से सोब अंग्रेजी अन्तर (*phonetics*) लिखो असे। तस आम मेह्णु न समझ सकते, त 2011 फुलियाठ बुछ, अस पंगवाड़ी वर्णमाला त व्याकरणे पुठ हिन्दी अन्तर किताब बणो असी। ए किताब सिर्फ चेक करुं जे त अगले साल सुसुर छपाण जे ब्योरा किओ असे। तुबारी, बोउए प्यार, मणिहेलु आदि ए सोब कम सिर्फ पंगवाड़ी भाषा सुह्लियत करुं जे असे ना कि Ph.D जे लगो असे। हां, इ जरुर असु कि अस अपु लेख जपल कोई विश्व विद्यालय पुठ दी कई दुई साल पढ़ते त तपल Ph.D डीग्री मी सकती। पर अभेईं तकर अस कोई विश्व विद्यालय पुठ Ph.D एड़मिशन निओरी नेई। पर असी भाषा-विज्ञान (Linguistics) पढ़ो असा त यक भाषा विकास त साक्षरता प्रोजेक्टे (Language development and literacy project) नाउं, NGO जुए मी कइ कम कते जे कि भाषा सुह्लियत अन्तर कम कते। अब जीं हें कम बढ़ुं लगो असु त अस बि तत टेम देण नेइ लगो। हें NGO बि असी होरे-होरे कम देन्ति। त अब इ जरुरी भुण लगो असु कि इठियाणि मेह्णु इ अपु भाषा सुह्लियत कइ सकते।

✍ *Binaya and Audrey, Dhanunjay and Rosy*